जीवन दर्शन

कभी भी आप ऐसा न सोचें की आप क्या कर सकते है बल्कि आप हमेसा ऐसा सोचे की आप क्या नहीं कर सकते हैं -जान वुडेन

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

शुक्रवार 4 अप्रैल, 2025 ■ वर्ष 14 ■ अंक 52 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

गोल्ड स्मगलिंग केस में तीसरा आरोपी न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े गोल्ड स्मगलिंग केस में तीसरे आरोपी साहिल जैन को स्पेशल कोर्ट ने 7 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राजस्व खुफिया निदेशालय उसे हिरासत पूरी होने के बाद कोर्ट में पेश किया। सोना व्यापारी साहिल सकारिया जैन को 26 मार्च को राजस्व खुफिया निदेशालय ने बेल्लारी से अरेस्ट किया था। यह केस में तीसरी गिरफ्तारी थी। साहिल पर सोने को ठिकाने लगाने में रान्या की मदद का आरोप है। साहिल जैन मूल रूप से कर्नाटक के बल्लारी का रहने वाला है और मुंबई में अपने मामा के साथ रह रहा था। इससे पहले भी मुंबई में उसे तस्करी के एक दूसरे मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसमें 6.9 कि.ग्रा. सोना जब्त किया गया था।

मुंबई में लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार, निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच ने अंधेरी इलाके से लॉरेंस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 7 पिस्तौल और 21 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। पुलिस ने बुधवार, 2 अप्रैल को यह जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें संदेह है कि गैंग के निशाने पर कोई सेलिब्रिटी था। क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने लॉरेंस गैंग के सदस्यों को शनिवार को हिरासत में लिया। उनके हथियार ले जाने के पीछे के मकसद की जांच की जा रही है। गिरफ्तार लोगों की पहचान विकास ठाकुर उर्फ विक्की, सुमित कुमार दिलावर, श्रेयस यादव, देवेंद्र सक्सेना और विवेक गुप्ता के रूप में की गई है। ये सभी राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। सुमित कुमार और विकास हिस्ट्रीशीटर हैं।

कुणाल कामरा को तीसरा समन, 5 को बुलाया, पहले 2 समन में पेश नहीं हुए

मुंबई। महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की।

राष्ट्रपति की सहमति के बाद कानून बनेगा

वक्फ बिल राज्यसभा से 12 घंटे चर्चा के बाद पास:पक्ष में 128, विरोध में 95 वोट डले

नई दिल्ली ■

वक्फ संशोधन बिल गुरुवार देर रात को 12 घंटे से ज्यादा लंबी की चर्चा के बाद राज्यसभा से भी पास हो गया। बिल के पक्ष में 128 और विरोध में 95 वोट पड़े। इससे पहले बुधवार को लोकसभा में यह बिल 12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। अब यह बिल राष्ट्रपति के पास जाएगा। उनकी स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। बिल पर चर्चा के दौरान बीजू जनता दल ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी नहीं किया था। पार्टी ने कहा था- सांसद अपनी अंतरात्मा की सुने और वक्फ बिल पर फैसला लें। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने चर्चा के दौरान कहा- वक्फ ने एक बार ताजमहल पर भी दावा कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी।

खड़गे-मेरे पास 1 इंच जमीन नहीं

राज्यसभा में सुबह भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर बुधवार को दिए बयान पर विपक्ष के सांसदों ने हंगामा किया। ठाकुर ने कहा था कि कर्नाटक में वक्फ की जमीन का भ्रष्टाचार हुआ है। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी शामिल हैं। इस पर खड़गे ने कहा- आरोप सिद्ध करें या इस्तीफा दें। खड़गे ने कहा- ठाकुर उनके या उनके परिवार के किसी भी सदस्य के वक्फ बोर्ड की 1 इंच भी जमीन पर कब्जे को साबित कर देते हैं, तो मैं पद से इस्तीफा दे दूंगा।

कानून में ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी केंद्रित बदलाव-अल्पसंख्यक कार्य मंत्री

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। जेपीसी के बाद बुधवार देर रात तक चर्चा के बाद इस बिल को लोकसभा से पारित कर दिया गया। संशोधित बिल में हमने ट्रांसपैरेंसी, अकाउंटेबिलिटी, एक्यूरेसी पर केंद्रित बदलाव किए हैं। रिजिजू बोले- वक्फ बिल के ओरिजिनल ड्राफ्ट और अब के ड्राफ्ट को देखें तो कई चेंज हमने किए हैं। यह चेंज सबके सुझाव से ही हुए हैं। जेपीसी में ज्यादातर लोगों के सुझाव स्वीकार हुए हैं। सारे सुझाव स्वीकार नहीं हो सकते। ये लोकतंत्र का नियम है, जिसका बहुमत होता है, वही सरकार बनाता है।

जहां-जहां खुदा है, ...वहां भगवान है

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा- जब वक्फ पर हम बात कर रहे हैं तब इसको रुखसती का वक्त आ गया है। खइउ सदस्यों और सरकार ने बिल पर काम करते हुए इबादत की तरह काम किया है। देश में सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड अलग-अलग क्यों हैं। हमारी सरकार ने पहली बार मुस्लिम समाज के अंदर सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने का काम किया है। ताजमहल पर भी वक्फ ने दावा किया। तब सुप्रीम कोर्ट ने अपने जजमेंट में कहा कि शाहजहां के समय का फरमान लेकर आइए जिसमें ताजमहल को वक्फ किया गया।

थाईलैंड में दुनिया की सबसे यंग प्रधानमंत्री से मिले मोदी

नई दिल्ली/बैंकॉक ■

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी गुरुवार को 2 दिन के थाईलैंड दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पर उन्होंने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। सबसे पहले पीएम मोदी ने 28 मार्च को भूकंप में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने भारत और थाईलैंड के धार्मिक और सांस्कृतिक संबंधों पर बातचीत की।

उन्होंने कहा कि सदियों पुराने संबंध हमारी गहरी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कड़ियों से जुड़े हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे लोगों को जोड़ा है। रामायण की कहानियां थाई लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इससे पहले

थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक पहुंचकर पीएम मोदी ने एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। इसके बाद थाई रामायण का मंचन देखा। यहां रामायण को रामाकेन कहा जाता है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड की पीएम पाइतोंग्तार्न शिनवात्रा (38) से द्विपक्षीय मुलाकात की। वे दुनिया की सबसे कम उम्र की प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों ने व्यापारिक संबंधों पर चर्चा की।

दिल्ली-एनसीआर में 1 साल तक पटाखे बैन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सभी एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकते

नई दिल्ली ■

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बनाने, स्टोर करने और बेचने पर लगे प्रतिबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा- वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है। आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है।

पीठ ने कहा कि हर कोई अपने घर या ऑफिस में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बहुत कम प्रदूषण होता है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का सवाल ही नहीं उठता।

सुनवाई के दौरान निजी रूप से पेश इंजीनियर मुकेश सिंह ने कहा कि पटाखे पर पाबंदी का फैसला ठीक नहीं है। पटाखे पर्यावरण साफ करते हैं। उन्होंने दलील दी कि पटाखे पर बैन अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर, 2024 को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर साल भर के लिए पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट पर्यावरणविद एमसी मेहता की 1985 में दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा है।

खंडवा में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत

खंडवा ■

मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में गणगौर उत्सव के दौरान बड़ा हादसा सामने आया है। यहां गणगौर मैया के विसर्जन के लिए गांव के कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कुंए के आसपास जमा है।

जानकारी के अनुसार हादसा जिले के छैगांव माखन तहसील में आने वाले कोंडावत गांव में हुआ है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन से पहले गांव के कुएं को साफ करने करीब पांच लोग उतरे थे, पर काफी देर तक जब वे वापस नहीं आए तो तीन लोग और उन्हें तलाशने कुएं में उतरे, पर वो भी नहीं लौट सके। बाद

में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर फिलहाल छैगांव माखन थाने की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एंबुलेंस एवं क्रेन बुलवाई और लोगों की तलाश शुरू की गई। सात लोगों के शव निकाल लिए गए हैं, आठवें की तलाश के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। सवा आठ बजे आठवें शव को भी निकाल लिया गया।

जहरीली गैस की आशंका

कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि शाम करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि गणगौर की मूर्तियों के विसर्जन के लिए कुएं में सफाई करने पांच लोग कुएं में उतरे थे। प्रथमदृष्टया कुएं में गैस बनी होगी, जिससे वे बाहर नहीं आ सके। उन्हें बचाने तीन लोग बाद में कुएं में उतरे। दुर्भाग्यवश वे भी बाहर नहीं आ सके। सूचना पर पुलिस, एनडीआरएफ, होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ शव निकाले गए हैं, उन्हें अस्पताल भेजा गया है जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जाएगी।

इन लोगों की हुई मौत

हादसे में जो लोग मारे गए हैं, उनकी पहचान राकेश पिता हरी, वासुदेव पिता आशाराम, गजानंद पिता गोपाल, मोहन पिता मंशाराम, अजय पिता मोहन, शरण पिता सुखराम, अनिल पिता आत्माराम सभी जाति कुन्बीपटेल निवासी कोंडावत के रूप में की गई है। अर्जुन पिता गोविंद का शव करीब आठ बजे निकाला जा सका।

पीएफ विड्रॉल प्रोसेस में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन (ईपीएफओ) ने पीएफ अकाउंट की क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया में बदलाव किया है। कर्मचारियों को अब पैसे निकालते समय नाम वेरिफाई कराने के लिए कैंसिल चेक या बैंक पासबुक की इमेज अपलोड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही पीएफ अकाउंट खोलते समय यूएएन में बैंक सीडिंग प्रक्रिया से एम्प्लॉयर के अप्रूवल को भी हटा दिया गया है। ईपीएफओ मेंबर अब आधार ओटीपी के जरिए बैंक अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड वेरिफाई कर सकेंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को एक्स पोस्ट के जरिए नए बदलावों की जानकारी दी है।

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना मुख्यमंत्री को फटकार लगाई

विधायकों की अयोग्यता का मामला: अवमानना पर कार्रवाई न करके क्या हमने गलती की- कोर्ट

नई दिल्ली ■

तेलंगाना बीआरएस के 10 बागी विधायकों की अयोग्यता वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके एक बयान पर फटकार लगाई। रेवंत रेड्डी ने 26 मार्च को तेलंगाना विधानसभा में 10 विधायकों को संबोधित करते हुए बोला था कि राज्य में कोई भी उपचुनाव नहीं होने वाले हैं।

कोर्ट ने कहा कि हमको नेताओं के बयान से कोई फर्क नहीं पड़ता।

जैसे हम लोकतंत्र के अन्य दो स्तंभों का सम्मान करते है। नेताओं से भी यही अपेक्षा करते हैं। इसलिए मुख्यमंत्री को संयम रखना चाहिए। इस याचिका की सुनवाई जस्टिस बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने किया। कोर्ट ने कहा कि क्या हमने गलती कर दी, जब हमने कोर्ट की अवमानना करने के लिए आप पर कोई कार्रवाई नहीं की थी। कोर्ट ने यह बात दिल्ली शराब नीति मामले पर बीआरएस नेता के. कविता को बेल देने पर रेवंत रेड्डी के विवादित बयान का हवाला देकर कही। दरअसल पिछले साल के. कविता को बेल मिलने पर रेवंत रेड्डी ने सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि एक तरफ मनीष सिसौदिया को बेल मिलने पर 15 महीने लग गए वहीं के. कविता को 5 महीने में ही बेल मिल गई। इससे लगता है कि BRS और भाजपा के बीच कोई समझौता हुआ है।

अमेरिका ने भारत पर 26% टैरिफ लगाया

ट्रम्प बोले- मोदी अच्छे दोस्त, लेकिन टैरिफ पर व्यवहार ठीक नहीं

वॉशिंगटन ■

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देर रात भारत पर 26% टैरिफ (रेसिप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ) लगाने का ऐलान किया। ट्रम्प ने कहा- भारत बहुत सख्त है। मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा, भारत अमेरिका पर 52% तक टैरिफ लगाता है, इसलिए अमेरिका भारत पर 26% टैरिफ लगाएगा। अन्य देश हमसे

जितना टैरिफ वसूल रहे, हम उनसे लगभग आधे टैरिफ लेंगे। इसलिए टैरिफ पूरी तरह से रेसिप्रोकल नहीं होंगे। मैं ऐसा कर सकता था, लेकिन यह बहुत से देशों के लिए कठिन होता। हम ऐसा नहीं करना चाहते थे। भारत के अलावा चीन पर 34%, यूरोपीय यूनियन पर 20%, साउथ कोरिया पर 25%, जापान पर 24%, वियतनाम पर 46% और ताइवान पर 32% टैरिफ लगेगा। अमेरिका ने करीब 60 देशों पर उनके टैरिफ की तुलना में आधा टैरिफ लगाने का फैसला किया है। इसे लेकर भारतीय अधिकारियों का कहना है कि वे ट्रम्प के लगाए टैरिफ का आकलन कर रहे हैं। भारत का फोकस जवाबी टैरिफ लगाने पर नहीं, बल्कि बातचीत के जरिए अमेरिका की चिंताओं को दूर करने पर है।

9 अप्रैल से लागू होंगे रेसिप्रोकल टैरिफ

अमेरिका में आने वाले सभी सामान पर 10% बेसलाइन (न्यूनतम) टैरिफ लगेगा। बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल को और रेसिप्रोकल टैरिफ 9 अप्रैल को रात 12 बजे के बाद लागू होंगे। बेसलाइन टैरिफ व्यापार के सामान्य नियमों के तहत आयात पर लगाया जाता है, जबकि रेसिप्रोकल टैरिफ किसी अन्य देश के टैरिफ के जवाब में लगाया जाता है।

व्यंग्य : अरबों की भूमि से कमाई सिर्फ 166 करोड़ : लूट तो थी ..?

वक्फ बोर्ड के पास साढ़े नौ लाख एकड़ भूमि और सालाना कमाई सिर्फ 166 करोड़ बताई जाए इसका मतलब साफ है कि खुली लूट का खेल जारी था. जब 2006 में सच्चर समिति ने 4.9 लाख संपति से 12 हजार करोड़ की कमाई का अनुमान लगाया था तो 8.72 लाख संपति से इतनी कम कमाई क्यों, कहां जा रहा था पैसा..? राज्य सभा में बीजेपी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने भी साफ कहा कि वक्फ के नाम पर भू माफिया मलाई खाते रहे हैं, लेकिन अब गरीबों को लाभ मिलेगा. आंकड़ों अनुसार देश की मुस्लिम आबादी में 31 फीसदी गरीबी रेखा से नीचे हैं..?

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

सरकार को धमकी दे गरीब मुसलमानों का अहित ना करें स्वार्थी नेता..?

लोकसभा में तो 288 वोटों के साथ वक्फ संशोधन बिल पारित हो ही चुका है और राज्य सभा में भी पारित होने के बाद बनने वाले नए कानून का सड़क पर विरोध करने वाले मुस्लिम संगठन के चंद नेताओं को अब समझ लेना चाहिए कि सरकार को धमकी देने से गरीब मुस्लिम समुदाय में ही साख बुरी तरह गिर सकती है. वैसे भी गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में साफ कहा कि धमकाएं नहीं, कानून तो सभी को मानना होगा. मुस्लिम नेताओं को समझ लेना चाहिए कि गरीब मुसलमान एवं यहां तक कि महिलाओं ने शुक्रिया मोदी जी कहा है तो इसका मतलब साफ है कि मुसलमान भी समझ गए हैं कि वक्फ बोर्ड के नाम पर गड़बड़ी हो रही थी और इसका खुलासा शाह ने कर दिया कि दिल्ली लुटियन्स की वीआईपी कॉलोनी में 1 से 11 रुपए किराये पर भूमि देने से ही जाहिर है कि स्वार्थी तत्व अपना हित साध रहे थे.अमित शाह ने विभिन्न तथ्य के साथ यह भी बताया कि कर्नाटक के विजयपुर के होनवाड़ गांव की 1500 एकड़

भूमि पर दावा कर उसे भी वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर लिया और 500 करोड़ की संपत्ति की भूमि पर फाइव स्टार होटल को हर महीने 12 हजार रुपये किराए के मूल्य से दे दिया. उन्होंने कहा कि कुछ लोग आज यह कह रहे हैं कि इसका हिसाब-किताब बनाकर और इसकी देखरेख न की जाए, यह पैसा देश के गरीब मुसलमानों का है, यह पैसा धन्नासेठों की चोरी के लिए नहीं है.राज्य सभा में बिल पेश करने के साथ ही मंत्री किरण रिजूजी ने भी स्पष्ट किया कि अब वक्फ किसी संपत्ति पर सीधे कब्जा नहीं कर सकेगा. धारा 40 समाप्त कर दी गई है जो विवाद का मुख्य कारण थी.संपत्ति पर दावे के लिए दस्तावेज जरूरी होंगे. संपत्ति का रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा. आदिवासी इलाकों में किसी प्रॉपर्टी को वक्फ प्रॉपर्टी घोषित नहीं किया जा सकेगा. ट्रिब्यूनल के लिए पांच साल का कार्यकाल निर्धारित किया गया है. राइट टू अपील का प्रावधान भी हमने किया है. यूपीए सरकार ने ऐसा कर दिया था कि ट्रिब्यूनल में आपकी सुनवाई नहीं हो सकी तो आप कोर्ट नहीं जा सकते. केवल रिव्यू पिटीशन में जा सकते हैं. हमने राइट टू अपील का दरवाजा खोल दिया है. 5 साल तक इस्लाम से जुड़े होने,महिलाओं को हिस्सा दिए बने संपति वक्फ नहीं की जा सकती, सरकारी संपति, आदिवासी भूमि आदि की भी सुरक्षा के प्रावधान संशोधित बिल में हैं और राज्य सभा में भी बिल पारित हुआ और इसके बाद बने कानून पर भी विरोध है तो सुप्रीम कोर्ट का रास्ता खुला है. कुल मिलाकर अब देश के मुसलमानों को ही सोचना है कि सरकार का साथ दें या समाज के नाम पर अपना हित साधने वालों का..?

कोर्ट बोला- तेलंगाना में पेड़ कटाई की स्थिति गंभीर

हैदराबाद ■

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हैदराबाद यूनिवर्सिटी के पास की जमीन पर किसी भी तरह की गतिविधि पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा- तेलंगाना सरकार को जमीन पर पेड़ों की सुरक्षा के अलावा कोई गतिविधि नहीं करनी चाहिए।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य में पेड़ों की कटाई को बहुत गंभीर बताया। पीठ ने कहा- तेलंगाना हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की रिपोर्ट इसकी खतरनाक तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट से पता चलता है कि बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं।

इसके अलावा पीठ ने तेलंगाना के मुख्य सचिव से यूनिवर्सिटी के पास की जमीन पर पेड़ काटकर काम शुरू करने की जल्दी पर जवाब मांगा है। साथ ही पूछा है कि क्या राज्य ने इस तरह की गतिविधियों (पेड़ों की कटाई) के लिए पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का असेसमेंट सार्टिफिकेट लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को यूनिवर्सिटी के पास की 400 एकड़ जमीन पर पेड़ों की कटाई का संज्ञान लिया था।

न्यूज ब्रीफ

जल गंगा संवर्धन अभियान: जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए हुआ जल संवाद, श्रमदान कर नागरिकों ने किया तालाब का गहरीकरण

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिये गए दिशा-निदेर्शानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। अभियान के तहत तालाबों, कुँओं, बावड़ी आदि के गहरीकरण, जीर्णोद्धार आदि के कार्य किये जा रहे हैं। ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित भी किया जा रहा है। इसी के तहत गत रात्रि जिले के इंदौर विकासखंड के ग्राम जलोदकेऊ में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण भी किया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा तहसील स्तरीय चयनित आदर्श ग्राम सेक्टर बुराना खेड़ी के विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम जलोदकेऊ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समिति सदस्यों एवं ग्रामीणों के साथ जल संवाद किया गया। जिसमें जल स्त्रोतों का पूजन एवं रख-रखाव हेतु श्रमदान कर पुराने जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु चर्चा की गई। जल संरक्षण हेतु दीवार पर लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में आज प्रातः ग्राम जलोदकेऊ में स्थित छोटे तालाब में श्रमदान कर गहरीकरण किया गया तथा जल को सहेजने एवं उसके संरक्षण हेतु शपथ दिलवाई भी गई। जल संवाद एवं श्रमदान में मुख्य रूप से जिला समन्वयक श्रीमती ऋतुजा पहाड़े, विकासखंड समन्वयक श्री प्रवेश शर्मा, समिति के अध्यक्ष श्री राजेश तंवर, सचिव श्री हरिराम गौड़, श्री घनश्याम चंदेल, श्री सुनेर सिंह तंवर, श्री मोती सिंह तंवर, श्री घनश्याम डाबी एवं अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

मंत्री सिलावट ने नगर निगम के बजट को सराहा

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम के बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इंदौर शहर मुख्यमंत्री जी के सपनों का शहर है। मुख्यमंत्री जी की मंशानुसार नये बजट में इंदौर शहर वासियों के लिए कई राहत भरी घोषणाएं की गई हैं, जो सराहनीय हैं। सिलावट ने कहा है कि बजट में नगर निगम का खुद का डिजिटल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की गई है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आएगी। ई-पोर्टल से इंदौर वासियों के मोबाइल पर एक क्लिक से सभी प्रकार की नागरिक सुविधाएं प्राप्त होगी। बजट में स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत इंदौर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गये हैं। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है और न ही किसी कर में बढ़ोतरी की गई है। मंत्री श्री सिलावट ने बजट का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर पहुँचकर स्व. श्री अरविंद जोशी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम इंदौर आये। वे एयरपोर्ट से सीधे स्नेह नगर पहुँचे। यहाँ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश भैयाजी जोशी के ज्येष्ठ भ्राता एवं माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष श्री अरविंद जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढस बंधाया। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्वर्गीय श्री अरविंद जोशी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ भी मुख्यमंत्री जी के साथ थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए जिले में 35 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए अभी तक 35 हजार से किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में पंजीयन से शेष रहे किसानों के लिए एक और अवसर राज्य शासन द्वारा दिया गया है। ऐसे किसान जिन्होंने अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे 9 अप्रैल तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। पूर्व में पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी। कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले की सभी समितियों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पंजीयन तिथि वृद्धि की सूचना सभी किसानों तक पहुँचायें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा है कि पंजीयन केंद्र के समिति प्रबंधक, ऑपरेटर तथा उपार्जन से संबंधित अमले को पाबंद करें कि कोई भी इच्छुक किसान पंजीयन से शेष न रहे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर किया जाये। पंजीयन से शेष रहे किसानों को फोन करके सूचित कर पंजीयन की तिथि 9 अप्रैल तक बढ़ाई गई है कि सूचना देकर पंजीयन करना सुनिश्चित करें। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों का पंजीयन होना अनिवार्य है। पंजीयन से शेष और इच्छुक किसान अपने निकटतम गेहूं खरीदी पंजीयन केंद्र पर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे अपना पंजीयन कर सकते है। सभी किसानों से अपील की गई है कि वह अपना गेहूं समर्थन मूल्य पर विक्रय करना चाहते हैं, तो अपना पंजीयन समय सीमा में जरूर करायें, जिससे कि उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कोई असुविधा न हो।

निगम का आठ हजार करोड़ का बजट पेश, सिंहस्थ को लेकर सड़कों पर फोकस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर नगर निगम का बजट कार्यक्रम शुरू हो चुका है। गुरुवार सुबह अटल बिहारी वाजपेयी परिषद सभागृह अटल सदन में बजट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस साल नए टैक्स का प्रावधान नहीं किया गया है और पुराने टैक्स में भी वृद्धि नहीं की गई है। 8 हजार 174 करोड़ का बजट है जिसमें कई विकास योजनाएं हैं।

बिल घोटाले पर भिड़े नेता

बजट सत्र शुरू होते ही कांग्रेस और भाजपा पार्षदों के बीच बजट पर हंगामा हुआ, खासतौर पर फर्जी बिल घोटाले को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने आरोप लगाए। इस बार नगर निगम क्षेत्र में 29 गांवों में सीवरेज और ड्रेनेज लाइन का काम भी किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 300 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

एक हजार करोड़ का राजस्व मिला

इस साल निगम ने एक हजार करोड़ का राजस्व एकत्र किया है। इस बार बजट में सड़क निर्माण पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। तीन साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के मद्देनजर शहर में कई मार्गों को जोड़ा किया जाएगा। इंदौर में 30 से ज्यादा मास्टर प्लान सड़कों को चौड़ा किया जाना है। इस प्रोजेक्ट पर ही डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नर्मदा के चौथे चरण के लिए भी बजट में बड़ी राशि रखी जाएगी। जलूद में नगर निगम सोलर प्लांट भी लगा रहा है। इसके अलावा चौथे चरण के लिए पाइप लाइन भी बिछाई जाएगी। इसके अलावा नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों में सीवरेज और ड्रेनेज लाइन के काम होना है। राज्य सरकार ने भी इसके लिए राशि जारी की है। 300 करोड़ रुपये इस पर खर्च होंगे। सफाई के लिए संसाधनों की खरीदी के लिए भी स्वास्थ्य विभाग मद में पिछले साल की तुलना में ज्यादा बजट रहेगा। उधर बजट सम्मेलन के दौरान कांग्रेस पार्षद दल ने भाजपा परिषद को घेरने की तैयारी की है। फर्जी बिल घोटाले के मुद्दे पर कांग्रेस पार्षद हंगामा कर सकते है।

बजट से पहले ही शुरू हो गया हंगामा

सुबह 11 बजे नगर निगम सभागृह सदन की कार्रवाई शुरू हुई। सभापति मुन्ना लाल यादव ने पहले दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन की कार्रवाई दस मिनट के लिए स्थगित कर दी। बैठक शुरू होते ही कांग्रेस पार्षदों ने फर्जी बिल घोटाले का मुद्दा उठाया। भाजपा के पार्षद बजट के मुद्दे पर बात करने के लिए जोर देते थे और हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बजट भाषण पढ़ा। उन्होंने कहा कि इस बार कोई नया कर नहीं लगाया और न ही कर में वृद्धि की गई है।

100 एकड़ का लैंड बैंक

दो सालों में नगर निगम ने 100 एकड़ का लैंड बैंक बनाया है। मेयर ने कहा कि लैंड बैंक में कर्बला मैदान की जमीन भी निगम के नाम पर हुई है। ड्रेनेज घोटाले पर मेयर ने कहा कि आरोपी जेल में हैं। इस सिस्टम में जिसने गड़बड़ की है, जिसने पैसे निकालने का काम किया। उनके 100 करोड़ से ज्यादा का बिल रोक कर रखा है।

पचास साल तक काम आएगा पोर्टल

मेयर ने कहा कि नगर निगम ने ऑनलाइन टैक्स भरने वन्य सुविधाओं के लिए अपना एक पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल दो माह में काम शुरू कर देगा। अगले 50 साल तक यह पोर्टल नगर निगम के काम आएगा।

एप के माध्यम से कचरा उठाने बुला सकेंगे

मेयर ने कहा कि इंदौर स्वच्छता में नवाचार करने की मामले में हमेशा आगे रहा है। सड़कों की सफाई के लिए आधुनिक मशीन खरीदने के अलावा शहरवासी एप के माध्यम से भी डोर-टू-रोड कचरा कलेक्शन गाड़ियों को अपने घर बुला सकेंगे। इसकी सुविधा भी जल्दी दी जाएगी। इंदौर के चिड़ियाघर को जीरो वेस्ट बनाया जाएगा। नगर निगम के बजट बैठक में नगरी प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मैं मंत्री की हैसियत से नहीं आया हूं। मुझे विधायक होने के नाते इस बैठक में शामिल होने का अधिकार है।

इंदौर बावड़ी हादसे में आरोपी बरी... 36 लोगों की मौत में कोई दोषी नहीं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के चर्चित बावड़ी हादसे में 36 लोगों की मौत के बाद जिला कोर्ट ने दोनों आरोपियों को बरी कर दिया है। यह घटना 30 मार्च 2023 को घटित हुई थी। इस मामले में विडंबना यह रही कि पुलिस ने इस गंभीर घटना की सही तरीके से जांच नहीं की। कोर्ट ने अपने फैसले में यह टिप्पणी की कि पुलिस को नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को भी आरोपी बनाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। वहीं, गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ भी अपराध साबित नहीं हो सका।

इस मामले में जूनी इंदौर पुलिस ने श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सेवाराम गलानी और सचिव मुरली गलानी के खिलाफ गैरइरादतन हत्या समेत अन्य आरोपों के तहत केस दर्ज किया था। दोनों को 22 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया था और तब से वे जेल में बंद हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उन पर कार्रवाई की थी, हालांकि अब अदालत ने दोनों को बरी कर दिया है।

कोर्ट की टिप्पणी और ट्रस्ट की भूमिका

कोर्ट ने विवेचना अधिकारियों और निगम अधिकारियों की लापरवाही को लेकर कड़ी टिप्पणी की। केस में पुलिस ने सही तरीके से जांच नहीं की और ट्रस्ट के पदाधिकारियों की लापरवाही इसलिए नहीं मानी क्योंकि उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि वहां बावड़ी है। घटना रामनवमी के दिन हुई थी, और उस दिन ट्रस्ट का वहां कोई आयोजन नहीं था। वहां केवल त्योहार के कारण पूजा-पाठ हो रहे थे, और इस हादसे से ट्रस्ट का कोई संबंध नहीं था।

मजिस्ट्रियल जांच और पुलिस की लापरवाही

आरोपियों के एडवोकेट राघवेंद्र सिंह बैस ने बताया कि मामले की मजिस्ट्रियल जांच हुई थी, और इसके बाद पुलिस ने चालान पेश किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने केवल ट्रस्ट के इन दोनों पदाधिकारियों को आरोपी बनाया, जबकि नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों को आरोपी नहीं माना। मामले में 33 गवाहों की गवाही ली गई, जिसमें यह सामने आया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष और सचिव की इस हादसे में कोई लापरवाही नहीं थी।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को नीति आयोग से मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत इंदौर संभाग के खंडवा जिले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने जिले के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये खंडवा जिले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकताओं की सराहना की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि खण्डवा जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। जिले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई।

प्रतिमा स्थल का निरीक्षण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत के स्वाभिमान, हिंदू सम्राट, शिरोमणि पृथ्वीराज चौहान जी की भव्य अष्टधातु अश्वारोही प्रतिमा देवास नाका स्थित निरंजनपुर चौराहे पर स्थापित की जा रही है।स्थानीय विधायक रमेश मेंदोला के साथ एमआईसी सदस्य राजेन्द्र राठौर एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने प्रतिमा स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया तथा सौन्दर्यीकरण पर अधिकारीयों को निर्देश भी दिए। इस अवसर पर पृथ्वीराज चौहान समिति के अध्यक्ष मुकेश चौहान, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार, राजपूत समाज चेतना मंडल के संयोजक रतन सिंह राजपूत, अखिल भारतीय युवा क्षत्रिय महासभा इंदौर के अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, बुंदेलखंड राजपूत संघ के अध्यक्ष भगवान सिंह बुंदेला, करणी सेना भारत के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह गौतम, राजपूत समाज चेतना मंडल के सचिव सत्येंद्र सिंह चौहान, आशुतोष सिंह शेखावत संजय चौधरी एवं सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शवों के बीच बेटे को तलाशती रहीं बुजुर्ग पिता की आंखें, जिसने भी देखा रो पड़ा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में जान गंवाने वाले दस मजदूरों के शवों को बुधवार देर रात इंदौर लाया गया। बिलखते हुए परिजन को यह सूचना मिली तो वे रात में ही एमवाय आने लगे। 24 साल के पंकज की भी हादसे में जान चली गई है। बदहवास पिता शवों के बीच उसे तलाशते रहे। रोते हुए कहते रहे उठ जा बेटा तेरे सिवा मेरा और कौन है। अस्पताल का प्रबंधन पिता को ढांढस बंधाता रहा। प्रशासन गुरुवार सुबह शवों को देवास पहुंचाएगा। सभी मजदूर देवास जिले के रहने वाले थे। आठ और मजदूरों के शव आज मप्र में लाए गए हैं जिन्हें हरदा पहुंचाया जाएगा।

देवास और हरदा में शोक की लहर

हादसे में जान गंवाने वाले दस मजदूर देवास जिले हैं और आठ हरदा के हैं। दोनों ही जिलों में हादसे के बाद से शोक की लहर है। मुखयमंत्री मोहन यादव ने भी घटना पर शोक जताया है और मृतकों के परिजन को दो लाख रुपए की सहायता राशि राशि देने की घोषणा की है। वहीं गुजरात सरकार ने भी चार लाख रुपए की सहायता देने की घोषणा की है। वहीं दूसरी तरफ मृतकों के परिजन ने कहा है कि हम दूसरों से मांगकर सरकार को पैसे दे देंगे वह हमारे बेटों को वापस लौटा दे। जांच में सामने आया है कि जहां पर पटाखे बनते थे वहीं पर मजदूरों को खाना बनाने की भी जगह दे रखी थी। इसी वजह से हादसा हुआ। फैक्ट्री का मालिक खूबचंद सिंधी था जिसने बेटे दीपक मोहनानी के नाम से यह फैक्ट्री शुरू की थी। दीपक ही फैक्ट्री का काम देखता था। पुलिस ने दीपक को पकड़ लिया है।

दो आरोपियों को किया गया जिलाबदर

इंदौर। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त दो आरोपियों को जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन आरोपियों को जिलाबदर किया गया है उनमें सांवेर थाना क्षेत्र के बड़ोदिया खान निवासी महेश उर्फ एनडी पिता प्रेमसिंह राजपूत तथा देपालपुर थाना क्षेत्र के आगरा निवासी बाबूलाल पिता जबरचंद शामिल है। इन्हें छः-छः माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक प्रकरण दर्ज है। उक्त दोनो आरोपी इंदौर जिले सहित इससे लगे हुए सीमावर्ती जिलों उज्जैन, देवास, धार, खरगोन एवं खंड़वा जिले की राजस्व सीमाओं से निष्कासित किये गये है।

संतोष और संयम से पाएँ सच्चा सुख...

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

एक शहर में एक लालची आदमी रहता था, जो संतों और साधुओं की सेवा केवल धन प्राप्ति की इच्छा से करता था। एक दिन, एक चमत्कारी संत ने उसकी सेवा से प्रसन्न होकर उसे चारों दिशाओं के नाम लिखे चार दीये दिए और कहा, 'वत्स! जब भी जीवन में तुम्हें धन की आवश्यकता हो, तो एक दीया जलाकर उसपर लिखी दिशा की ओर चलते रहना। जिस स्थान पर वह दीया अपने आप बुझ जाये उस स्थान पर खोदना तुम्हें धन मिल जायेगा। और हाँ, एक बात याद रखना, उत्तर दिशा वाले दीये को तुम्हें किसी भी हाल में जलाना नहीं है।'

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

उस इंसान ने संत की वाणी को परखने के लालच में उसी क्षण एक दीया जलाया और उस पर लिखी पूर्व दिशा की ओर बढ़ गया। कुछ देर चलने के बाद जिस स्थान पर दीया बुझा उसने वहाँ खोदा तो उसे चाँदी की अशर्फ़ियों से भरा एक घड़ा मिला। उसने तुरंत वह घड़ा लिया और घर आ गया। इस अनुभव ने उसके मन में लालच बढ़ा दिया और फिर वह पहले पश्चिम में और फिर दक्षिण दिशा में आगे बढ़ा और वहाँ से सोने की अशर्फ़ियाँ और रत्नों से भरा घड़ा अपने घर ले आया। अंत में लालच से अंधे हुए इस आदमी ने उत्तर दिशा वाला दिया भी जला लिया और उस दिशा में बढ़ गया। कुछ देर बाद एक महल के समीप उसका दीया बुझ गया, वहाँ वह अभी जमीन खोदने की तैयारी कर ही रहा था कि उसे महल के अंदर से एक बुजुर्ग की आवाज सुनाई दी, जो एक चक्की चला रहा था। लालची आदमी ने बूढ़े से कहा कि तू यहाँ कैसे पहुँचा?, बूढ़े ने कहा, 'ऐसा कर यह जरा चक्की चला, मैं सांस लेकर तुझे बताता हूँ।' लालची आदमी ने चक्की चलानी प्रारम्भ कर दी। बूढ़ा चक्की से हट जाने पर ऊँची-ऊँची हंसी हँसने लगा। लालची आदमी उसकी ओर हैरानी से देखने लगा। वह चक्की चलाना बंद करने ही वाला था कि बूढ़े ने खबरदार करते हुए कहा, 'ना ना चक्की चलानी बंद ना कर।' फिर बूढ़े ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा, 'यह महल अब तेरा है। परन्तु यह उतनी देर तक खड़ा रहेगा जितनी देर तक तू चक्की चलाता रहेगा। अगर चक्की चलनी बंद हो गयी तो महल गिर जायेगा और तू भी इसके नीचे दबकर मर जायेगा।' कुछ समय रुककर बूढ़ा फिर कहने लगा, 'मैंने भी तेरी ही तरह लालच करके संत की बात नहीं मानी थी और इसका परिणाम यह हुआ कि मैंने अपनी सारी जवानी इस चक्की को चलाते हुए बिता दी।'

दोस्तों, लालच में अंधे उस आदमी ने संत की बात को अनसुना कर आशीर्वाद को सजा में बदल लिया था। दोस्तों, लालच इसी तरह आपसे कई सारी चीजें छीन लेता है। आइए अब हम इस कहानी से मिलने वाली महत्वपूर्ण सिखों पर चर्चा कर लेते हैं, जो हमारे व्यवहार और सोच को सही दिशा में ले जा सकती हैं:

1. लालच का अंत विनाशकारी होता है: कहानी का सबसे स्पष्ट संदेश यह है कि लालच कभी भी सुखद परिणाम नहीं देता। जब व्यक्ति अधिक पाने की चाह में सीमा लांघता है, तो वह स्वयं को संकट में डाल देता है। संतोष और संयम जीवन में खुशहाली लाते हैं, जबकि लालच व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर कर सकता है।

2. सुनने और पालन करने की महत्ता: संत ने लालची व्यक्ति को उत्तर दिशा में न जाने की चेतावनी दी थी, लेकिन वह अपनी इच्छा को नियंत्रित नहीं कर पाया। यह हमें सिखाता है कि अनुभवी और ज्ञानी व्यक्तियों की सलाह को गंभीरता से लेना चाहिए। अच्छी सलाह का पालन करने से हम अनावश्यक समस्याओं से बच सकते हैं।

3. धैर्य और संतोष का महत्व: कहानी में व्यक्ति को पहले ही पर्याप्त धन प्राप्त हो चुका था, लेकिन उसने संतोष नहीं किया और अधिक की लालसा में फंस गया। वास्तविक जीवन में भी जब हम अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखते हैं और जो हमारे पास है, उसमें संतुष्ट रहते हैं, तब हमें मानसिक शांति मिलती है।

4. कर्म और परिणाम का सिद्धांत: हमारे कर्म ही हमारे भविष्य का निर्माण करते हैं। लालची आदमी ने गलत निर्णय लेकर अपने लिए कष्टमय जीवन चुन लिया। यह हमें यह सीख देता है कि किसी भी कार्य को करने से पहले उसके परिणामों पर विचार अवश्य करना चाहिए। सकारात्मक कर्म सदैव सुखद परिणाम लाते हैं।

5. लालच से छुटकारा पाना संभव है: कहानी में बूढ़े व्यक्ति ने अपनी गलती को स्वीकार किया और दूसरों को लालच से बचने की सलाह दी। यह दर्शाता है कि हम अपनी गलतियों से सीखकर न केवल स्वयं को सुधार सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी सही मार्ग दिखा सकते हैं।

निष्कर्ष

लालच और असंतोष मनुष्य को अंधकार की ओर ले जाते हैं, जबकि संतोष और संयम हमें सच्चे सुख और शांति की ओर ले जाते हैं। संतों की सीख के अनुसार, यदि हम अपने भीतर संयम और संतोष की भावना विकसित करें, तो जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ भी हमें विचलित नहीं कर पाएंगी।

अतः हमें यह सदैव याद रखना चाहिए, 'लालच बुरी बला है।'

नेता प्रतिपक्ष चौकसे बोले- भाजपा नेताओं के दबाव में महिला को दी तीन घंटे में अनुंकपा नियुक्ति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में जनसुनवाई में पहुंची एक महिला को तीन घंटे में अनुकंपा नियुक्ति देने का मामला चर्चा में है। निगमायुक्त ने इस काम में देरी होने पर एक निगमकर्मी को निलंबित तक कर दिया। अब इस नियुक्ति पर सवाल उठने लगे है। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि निगमायुक्त शिवम वर्मा ने भाजपा नेताओं के दबाव में अनुकंपा नियुक्ति दी है, जबकि नियमानुसार वह ठीक नहीं है।

चौकसे ने कहा कि सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मौत हो जाने पर कविता को अनुकंपा नियुक्ती तीन घंटे में कर दी गई। यह नियुक्ति पत्र नियम के विपरीत जाकर जारी किया गया है। इस नियुक्ति पत्र को यदि रद्द नहीं किया गया तो कांग्रेस इस मामले को लेकर लोकायुक्त में जाएगी। चौकसे ने कहा कि निगम के सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मृत्यु हो जाने के कारण कविता नामक महिला के द्वारा नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस आवेदन पर नियुक्ति का आदेश जारी नहीं करने के कारण निगम आयुक्त के द्वारा मंगलवार को निगम की स्वास्थ्य यूनिट के प्रभारी राजेश करोसिया को निलंबित कर दिया गया। इसके बाद निगम आयुक्त के आदेश पर तीन घंटे में महिला की अनुकंपा नियुक्ति का आदेश जारी किया गया। चौकसे ने कहा कि भाजपा नेताओं के दबाव में आकर नियम के विपरीत यह नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज इंदौर आएंगे

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल आज (शुक्रवार) को इंदौर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उप मुख्यमंत्री शुक्ल अपरान्ह पौने 5 बजे इंदौर आएंगे। वे यहां सिविल अस्पताल नंदा नगर में निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगें। इसके पश्चात वे इंदौर से देवास के लिये रवाना होंगे।

उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशाप और मेले जिला स्तर पर लगाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों की जिलेवार मैपिंग की जाए। विश्वविद्यालय सहित अन्य शासकीय विभागों की खाली जमीनों पर उद्यान विकसित करने तथा प्रदेश में पीपीपी मोड पर नर्सरीयां विकसित करने के लिए कार्य योजना बनायी जाए।

प्रदेश के सभी जिलों में उद्यानिकी और खाद्य प्र-संस्करण पर केंद्रित वर्कशॉप और मेले आयोजित कर जिलों के किसानों और उद्यमियों को अन्य जिलों में संचालित बेस्ट प्रैक्टिसेज से परिचित कराया जाए। जिलों में कृषि और उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने तथा अपने स्तर पर इस क्षेत्र में उपलब्धियां अर्जित करने वाले किसानों का सम्मान किया जाए। इन्वेस्टर्स समिट के समान प्रदेश में उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण पर समिट का आयोजन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश में कृषि विशेष रूप से उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश, भौगोलिक दृष्टि से सम्पन्न है, साथ ही सिंचाई और बिजली की भी पर्याप्त उपलब्धता है। प्रदेश कि उद्यानिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत से भी आगे निकले। उद्यानिकी के साथ खाद्य प्र-संस्करण के माध्यम से रोजगार के अवसर निर्मित करने की दिशा में भी अंन्तर्विभागीय समन्वय के साथ कार्य किया जाए। विभाग में विशेषज्ञों तथा तकनीकी दक्षता पर केंद्रित सेल स्थापित कर खाद्य प्र-संस्करण क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के तीनों क्षेत्रों चंबल-मालवा और महाकौशल में उद्यानिकी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्षेत्र विशेष की आवश्यकता के अनुसार कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उपज का वाजिब मूल्य मिले, उन्हें यह भरोसा दिलाना आवश्यक है। किसानों की उपज के लिए उपयुक्त सुविधाजनक स्थलों पर स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही आस-पास की मंडियों में उपज के मूल्य की सही जानकारी किसानों को उपलब्ध कराने के लिए व्यवस्था विकसित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बागवानी विकसित करने को जन आंदोलन बनाना जरूरी है। सभी विधायक और पंचायत प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में आदर्श बागवानी या नर्सरी विकसित कर क्षेत्र के किसानों को अपने स्तर पर प्रेरित करें। श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए किसानों को पुरस्कृत करने की व्यवस्था भी हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दीनदयाल शोध संस्थान कृषि विज्ञान केंद्र जैसी संस्थाओं से किसानों के संवाद को भी प्रोत्साहित करना आवश्यक है। बैठक में जानकारी दी गई कि आगामी माह में नीमच, मंदसौर में औषधीय कृषि के लिए उद्यानिकी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगा। प्रदेश में 22 लाख 72 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलें ली जा रही हैं।

ऑटिज्म डे: जागरूकता, स्वीकृति और विशेष बच्चों के लिए एक नया दृष्टिकोण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

अप्रैल को ऑटिज्म अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है, और इसी कड़ी में 2 अप्रैल को साकार श्री सोशल वेलफेयर सोसाइटी एवं श्री आंजनेय स्पेशल नीड सॉल्यूशन के संयुक्त तत्वाधान में ऑटिज्म डे पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (अरऊ) को लेकर समाज में जागरूकता फैलाना और विशेष बच्चों के विकास के लिए अभिभावकों को सही जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक डॉ. एस. के. चावला और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मोनिका दूबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. चावला ने ऑटिज्म को समझाने के साथ ही इस बात पर जोर दिया कि यह कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक अलग तरह की न्यूरोलॉजिकल अवस्था है, जिसमें बच्चों का सोचने, समझने और प्रतिक्रिया देने का तरीका दूसरों से अलग हो सकता है। उन्होंने कहा कि समय पर सही पहचान और सही थेरेपी से विशेष बच्चे आत्मनिर्भर बन सकते हैं। वहीं, डॉ. मोनिका दूबे ने अभिभावकों को शारीरिक विकास और सही पॉस्चर के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि किस तरह शुरूआती देखभाल से बच्चों की मोटर स्किल्स में सुधार लाया जा सकता है, जिससे वे अधिक स्वतंत्र और आत्मविश्वासी बन सकते हैं। इस कार्यक्रम में 36 अभिभावकों ने भाग लिया और अपने सवालों के जवाब प्राप्त किए। लेकिन सबसे खूबसूरत क्षण तब आया जब विशेष बच्चों ने गायन, नृत्य, ड्राइंग और खेलकूद गतिविधियों में भाग लिया।

डिजिटल कार्य के साथ ही सोशल मीडिया चलाने के दौरान भी पूरी रखे सावधानी...

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

वर्तमान में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, पुलिस कमिश्नर इंदौर के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर श्री राजेश दंडोतिया ने पुलिस टीम के साथ We Women संस्था इंदौर के अवार्ड फंक्शन में पहुंचकर, सायबर अवेयरनेस के तहत कार्यशाला लगाकर वहां उपस्थित करीब 75 महिला सदस्यों को विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों की जानकारी दी और साइबर अपराध होने पर साइबर हेल्पलाइन-1930, पोर्टल cybercrime.gov.if, इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049124445 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा पुलिस इन पर किस प्रकार कार्यवाही करती है और साइबर अपराधों से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें आदि के संबंध में, व्यवहारिक तरीके से समझाया।

उन्होंने सभी से कहा कि डिजिटल वर्ल्ड में साइबर अपराधी टीनएजर्स लड़कियों व महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा टार्गेट्स करते हैं। ये अपराधी सोशल मीडिया वाली लाइफ की हर गतिविधियों- फोटो/वीडियो, निजी जानकारियों सब पर नजर रखते है, और थोड़ी सी भी चूक होने पर साइबर स्टॉकिंग, बुलिंग करते है, महिलाओं की निजी जानकारी लेकर उन्हें परेशान कर सकते है । अतः साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ डिजिटल/फाइनेंसियल कार्य के साथ ही सोशल मीडिया भी सतर्क होकर चलाएं तथा अपने निजी फोटो/वीडियो साझा करने में सतर्कता बरतें और अपनी निजी जानकारी कभी किसी भी अनजान से शेयर नहीं करें। इस दौरान पुलिस टीम ने सभी को साइबर अवेयरनेस के पम्पलेट्स व स्टिकर्स भी दिए और सभी को साइबर जागरूकता लाने में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के इस अभियान के तहत, यदि कोई स्कूल/कॉलेज, संस्थान, इकाई, कॉलोनी आदि में भी साइबर अवेयरनेस की कार्यशाला आयोजित करना चाहता है या कोई जानकारी चाहता है तो वह इंदौर पुलिस के नंबर 7587629846 पर संपर्क कर सकता है।

पारिवारिक विवाद में दंपती ने फंदा लगाकर दी जान

इंदौर। पुलिस अफसरों को पता चला कि परिवार की एक दुकान मूसाखेड़ी क्षेत्र में है। जिसमें चारों भाईयों का हिस्सा है, लेकिन दुकान का उपयोग नहीं होता था। गब्बर अपने भांजे के साथ फर्नीचर बनाने का काम करता था। गब्बर के चार भाई है और चारों अलग-अलग रहते है। इंदौर में एक दंपती ने बुधवार को फंदा लगाकर अपना जीवन समाप्त कर लिया। आशंका है कि दोनों ने पारिवारिक विवाद के चलते यह कदम उठाया है, हालांकि, स्पष्ट कारण पता नहीं चला। दोनों की शादी 20 साल पहले हुई थी। उनकी दो बेटियां और एक बेटा है। यह दुखद घटना छत्रीपुरा क्षेत्र के सेठी नगर में हुई। गब्बर पिता मांगीलाल यादव और उसकी पत्नी सपना यादव ने घर में फांसी लगा ली। बच्चों ने माता-पिता को फांसी के फंदे पर लटके देखा तो पुलिस को सूचना दी।

पृथ्वीराज चौहान गुर्जर थे, राजपूत नहीं इतिहास को विकृत करने का आरोप

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

गुर्जर समाज ने आईडीए पर पृथ्वीराज चौहान के इतिहास को विकृत करने का आरोप लगाया है। आईडीए द्वारा लगाई जा रही प्रतिमा पर सही नाम लिखने के लिए समाज के लोगों ने ज्ञापन दिया। समाज के लोगों का कहना है कि पृथ्वीराज चौहान गुर्जर थे, न कि राजपूत, इसलिए प्रतिमा स्थल पर वीर गुर्जर क्षत्रिय समाज के महापुरुष गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज चौहान लिखा जाए। समाज के लोगों ने एडवोकेट मुकेश भड़ाना गुर्जर, एडवोकेट मनवीर चौहान गुर्जर, इंदौर महानगर गुर्जर परिषद अध्यक्ष केप्टन प्रेमसिंह गुर्जर, सुबेदारसिंह गुर्जर, मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में कमिश्नर, कलेक्टर, आईडीए सीईओ और निगमायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

फिल्म में से भी हटवाया था राजपूत

ज्ञापन में ये भी कहा गया है कि यशराज फिल्म्स ने जो पृथ्वीराज फिल्म बनाई थी उसमें उन्हें राजपूत दिखाया गया था, जिस मामले में समाज ने दिल्ली हाईकोर्ट में

याचिका दायर की थी और राजपूत शब्द पर आपत्ति ली थी बाद में फिल्म में राजपूत शब्द का उपयोग न करने का आदेश कोर्ट ने दिया था, लेकिन इंदौर में आईडीए निरंजनपुर चौराहा पर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जो प्रतिमा लगा रहा है, उसमें राजपूत शब्द का उपयोग किया जा रहा है जो न केवल कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है, बल्कि समाज की भावनाओं के साथ भी खिलवाड़ है। ज्ञापन में मांग की गई कि शीघ्रातिशीघ्र प्रतिमा के शिलालेख में गुर्जर समाज का उल्लेख किया जाए अन्यथा समाज के लोग सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

निरंजनपुर चौराहे पर लग रही है प्रतिमा

समाज के द्वारा दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि आईडीए द्वारा निरंजनपुर चौराहा पर समाज के महापुरुष पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा लगाई जा रही है, उसमें समाज के इतिहास को विकृत करने की कोशिश की जा रही है। गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज के समकालीन कवियों चंद वरदाई और जयानक द्वारा रचित पृथ्वीराज रासो और पृथ्वीराज विजय महाकाव्यम के ऐतिहासिक तथ्यों, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया है कि वीर गुर्जर क्षत्रिय समाज के महापुरुष के ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ न की जाए।

अनदेखी की तो समाज में रोष फैल जाएगा

समाज के लोगों ने अधिकारियों को बताया गया कि उनके शिलालेख में उन्हें गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज चौहान ही लिखा जाए, ताकि ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी न हो और समाज के लोगों में रोष न फैले। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समाज द्वारा गुर्जर आरक्षण आंदोलन के संघर्ष में वीर गुर्जर क्षत्रिय अपने अधिकारों के लिए किस तरह 72 गुर्जर शहीद होने के बाद भी डटे रहे और अपना हक लेकर ही हटे।

ब्रह्माकुमारी बहनों को धमका रहा शब्बीर

इंदौर। सनातन धर्म से जुड़े लोगों को परेशान करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। सिलिकॉन सिटी स्थित ब्रह्माकुमारी सेंटर की बहनें कलेक्टर की जनसुनवाई में एक व्यक्ति शब्बीर की शिकायत लेकर पहुंचीं। उनका आरोप है कि उनके प्रवचन हॉल के पास स्थित शब्बीर की बिल्डिंग से उसे वहां होने वाले सनातनी कार्यों से परेशानी हो रही है। प्रवचन हॉल के लिए अस्थायी टीन शेड बनाया गया है, जो ब्रह्माकुमारी सेंटर के निकट स्थित है। यहां नियमित रूप से आने वाले सनातन धर्म के अनुयायियों को शब्बीर लगातार परेशान कर रहा है। बहनों का कहना है कि शब्बीर उन्हें बार-बार धमकी देता है कि वे वहां से अपने धार्मिक कार्य बंद कर इस जगह को छोड़ दें, अन्यथा वह उन्हें शांति से नहीं रहने देगा।

प्रेम प्रसंग और आर्थिक तंगी के कारण इंदौर में दो आत्महत्याएं

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में हाल ही में दो युवकों ने अलग-अलग कारणों से आत्महत्या कर ली, जिनमें प्रेम प्रसंग और आर्थिक तंगी प्रमुख कारण थे। पहला मामला परदेशीपुरा इलाके का है, जहां 25 वर्षीय फोटोग्राफर मोहित बैरवा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

सुसाइड से पहले मोहित ने अपनी प्रेमिका को एक भावनात्मक संदेश भेजा, जिसमें लिखा था झ्र ₹तुम खुश रहना बेटा, मैं तुम्हारी जिंदगी से जा रहा हूं।₹ मोहित के परिवार का कहना है कि वह पिछले 13 सालों से एक युवती के साथ रिश्ते में था, लेकिन हाल ही में वह एमवाय अस्पताल के एक डॉक्टर से बात करने लगी। इस नए रिश्ते को लेकर मोहित और युवती के बीच विवाद हुआ और उसने शादी से इनकार कर दिया। इस स्थिति से परेशान होकर मोहित ने आत्महत्या का कदम उठाया। मोहित के आत्महत्या करने के बाद, उसके दोस्त लगातार उसे फोन कर रहे थे, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब रात के लगभग 11 बजे उसके दोस्त तुषार ने मोहित के घर जाकर देखा, तो उसने मोहित को फंदे से लटका पाया। मोहित अपने माता-पिता का एकमात्र बेटा था और उसकी कमाई से ही परिवार का खर्च चलता था। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहित के परिवार के लिए यह एक बड़ा सदमा था, क्योंकि उसने अपने जीवन की सबसे कठिन स्थिति का सामना करते हुए आत्महत्या का रास्ता चुना।

सड़क हादसे में नाबालिग युवती की मौत, सहेलियां हैं गंभीर

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के पास खुड़ैल में आठ दिन पहले हुए सड़क हादसे में 16 वर्षीय आशा राठौर की बुधवार देर रात एमवाय अस्पताल में मृत्यु हो गई। आशा अपनी सहेलियों प्रियंका और शिवानी के साथ स्कूटी पर पानी पुरी खाने जा रही थी, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद तीनों सड़क पर बेसुध पड़ी मिलीं। उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, और फिर आशा को एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया।

आशा के सिर में गंभीर चोटें आई थीं और हादसे के बाद से वह होश में नहीं आई। उसके परिवार के अनुसार, प्रियंका और शिवानी का इलाज अभी भी अलग-अलग निजी अस्पतालों में चल रहा है। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि किस वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मारी थी। आशा एक निजी कंपनी में काम करती थी, और उसके पिता व भाई भी निजी कंपनियों में नौकरी करते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बाणगंगा इलाके में बुधवार शाम एक और सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई। एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। यह हादसा नमकीन कलस्टर के पास हुआ, जहां 30 वर्षीय खेमा राय गंभीर रूप से घायल हालत में पड़ा मिला। राहगीरों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन अस्पताल जाते समय एम्बुलेंस में ही खेमा राय की मृत्यु हो गई। खेमा राय मजदूरी करता था, और उसके परिवार में माता-पिता और एक भाई हैं। पुलिस इस मामले की भी जांच कर रही है।

वृद्धाश्रम की माताओं ओर बाल आश्रम के बच्चों को निःशुल्क यात्रा कराकर पेश की मानवता कि मिसाल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

त्रिनेत्रम सामाजिक संगठन द्वारा वृद्धाश्रम की बुजुर्ग माताओं और बाल आश्रम के बच्चों के लिए एक विशेष धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के आयोजक हर्षल चौहान और सुनील ठाकुर ने बताया कि निःशुल्क धार्मिक यात्रा का आयोजन विगत 10 वर्षों से किया जा रहा हे। इस वर्ष यात्रा चितौड़गढ़ स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर की यात्रा का आयोजन किया गया। सांवरिया सेठ मंदिर प्राकट्य स्थल के मुख्य पुजारी दिनेश महाराज ने बताया कि इस प्रकार की यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों वर्गों को आध्यात्मिक शांति और मानसिक सुकून प्रदान करना हे। सांवरिया सेठ के धार्मिक स्थल पर आयोजित इस यात्रा ने न केवल धार्मिक अनुभव को बढ़ाया, बल्कि सामाजिक एकता और सामूहिक स्नेह को भी प्रोत्साहित किया।

यात्रा में श्री राम निराश्रित वृद्धाश्रम की बुजुर्ग माताओं और बाल आश्रम के बच्चों को ट्रेन के माध्यम से निंबाहेड़ा और वहा से बस के माध्यम से सांवरिया सेठ मंदिर तक ले जाया गया। यात्रा के दौरान सभी ने सांवरिया सेठ के धार्मिक स्थलों पर पूजा-अर्चना की, और वहां की शांति और भव्यता का अनुभव किया। सभी के नाश्ते और भोजन की व्यवस्था भी संस्था सदस्यों द्वारा की गई। वृद्धाश्रम की एक बुजुर्ग माताजी ने कहा, यह यात्रा मेरे पूरे जीवन का एक अनमोल अनुभव रही। इससे न केवल मेरा दिल शांति से भर गया, बल्कि मुझे ऐसा लगा जैसे मैं जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत कर रही हूं। बाल आश्रम के बच्चों ने कहा, हमने बहुत कुछ सीखा। यह यात्रा हमें अपने धार्मिक मूल्यों के साथ-साथ दूसरों के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आने का भी पाठ पढ़ाती है। त्रिनेत्रम सामाजिक संगठन के संजू मीणा और प्रदीप नायक ने बताया, संस्था का उद्देश्य केवल धार्मिक यात्रा ही नहीं ,बल्कि यह दिखाना हे कि समाज के हर वर्ग, चाहे वह बुजुर्ग हो या बच्चा, सभी को प्रेम, ध्यान और आस्था की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोकसभा में वक्फ बिल पारित होने पर बधाई देकर धन्यवाद ज्ञापित किया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे समाज के कमजोर तबके को न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित कदम उठाए हैं। उसी में वक्फ बोर्ड के नियम में इस प्रकार के संशोधन/प्रावधान करना जरूरी थे। वास्तविक गरीब से गरीब आदमी को वक्फ बोर्ड से लाभ मिले, खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को। उन्होंने कहा कि कुछ शक्ति सम्पन्न लोगों ने अपने हित में वक्फ की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे कर लिए थे, ताकि उनका आधिपत्य और वक्फ की सम्पत्ति पर दखल हमेशा बना रहे। यह ठीक किया जाना जरूरी था। इन सब व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बड़ी शुरूआत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वक्फ समिति के अध्यक्ष, सभी पदाधिकरियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने भोपाल शहर के मुस्लिम समाजजनों के बीच इस तथ्य को मजबूती के साथ सबके सामने रखा है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और गरीबों को उनका वाजिब हक दिलाने के लिए सबके साथ खुले मन से चर्चा करके सबके हित में निर्णय लेना जरूरी था और यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में यह बिल पारित हो गया है।

प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की हुई बढ़ोतरी

भोपाल ■

भोपाल नगर निगम का आज बजट पेश किया जा रहा है। 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

बता दें कि गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है। नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष निधि हेतु राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। निगम सीमा अंतर्गत स्थित फिल्टर प्लांटों में सौर उर्जा प्लांट की स्थापना कार्य हेतु राशि. 150 लाख का प्रावधान किया गया है। जल सरंचना, हरित क्षेत्र के विकास कार्य हेतु तीन करोड़ का प्रावधान किया गया है। अयोध्या बायपास रोड पर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य हेतु राशि 400 लाख का प्रावधान किया गया है। विसर्जन घाटों का विकास कार्य हेतु राशि 3200 लाख का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत राशि 500 लाख का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा के समीप सामुदायिक स्थल सह खेल मैदान विकास के निर्माण कार्य हेतु राशि 300 लाख का प्रावधान किया गया है।

बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं

को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किये जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषतः वार्डों के विकास कार्य हेतु प्रति वार्ड 50 लाख रू. वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि रुपये 4250 लाख का प्रावधान किया गया है। जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य हेतु राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर के मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण कार्य हेतु राशि रू. 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य हेतु शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रकाश व्यवस्था (सड़क एवं चौराहे) हेतु 1500.00 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि रू. 1100 लाख का प्रावधान किया गया है। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 7546 लाख का प्रावधान किया गया है। व्यवसायिक परिसरों के निर्माण कार्य हेतु राशि रु. 6000 लाख का प्रावधान किया गया है। एनडीआएफ अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि 20000 लाख का प्रावधान किया गया है। शहर के विभिन्न विश्रामघाटों हेतु राशि 500 लाख तथा कब्रिस्तानों के विकास कार्य हेतु राशि रू. 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

भोपाल शहर की विभिन्न सड़कों के अनुरक्षण हेतु राशि 3000 लाख का प्रावधान किया गया है। जीआईएस अंतर्गत किये गये सौन्दर्गीकरण कार्यों के अनुरक्षण एवं संधारण हेतु राशि रू 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। वार्डों के समग्र विकास हेतु विशेष निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। नगर विकास हेतु विशेष निगम निधि अंतर्गत 500 लाख का प्रावधान किया गया है। महापौर परिषद सदस्य निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु राशि रु 1500 का प्रावधान किया गया है। निगम के सफाई मित्रों को वदीयाँ तथा रैन कोट प्रदान किये जाने हेतु राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

मध्यप्रदेश में सड़क मार्ग से जुड़ेंगी 50 हजार बसाहटें, मुख्यमंत्री यादव का ऐलान

भोपाल ■

एमपी सरकार अगले तीन साल में प्रदेश की सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे कर कार्य-योजना बनाई जाए। सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में पीएम ग्राम सड़क योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में मंत्री प्रहलाद पटेल, सीएस अनुराग जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एआइ का करें उपयोग

सीएम ने कहा, क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्त, उन्नयन के लिए तत्काल कार्रवाई की जाए। सड़कों के रखरखाव, निरीक्षण में ऐप, जियो टैगिंग और एआइ का उपयोग कर और प्रभावी बनाया जाए। बैठक में बताया गया कि 89 हजार बसाहटों में से 50,658 बसाहटें सड़क मार्ग से जुड़ चुकी हैं। ग्राम सड़क योजना-4 के तहत बनने वाली 11,544 बसाहटों के लिए सर्वे कर लिया गया है। शेष 26,798 बसाहटों की कनेक्टिविटी के लिए राज्य सरकार द्वारा पहल की जा रही है।

89 हजार में से 50 हजार बसाहटों में सड़कें

अधिकारियों ने सीएम को बताया कि जनमन योजना के अंतर्गत पाण्डाटोला से बीजाटोला तक देश की पहली सड़क का निर्माण बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र में किया गया है। मेंटेनेंस और उन्नयन के लिए भारत सरकार से प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में मध्यप्रदेश प्रथम रहा है। मार्गों के संधारण के लिए 2015-16 से लागू ई-मार्ग पोर्टल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई तथा केंद्र द्वारा इसे पूरे देश में नेशनल ई-मार्ग के रूप में लागू किया गया है। सीएम ने कहा कि सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता से किया जाए।

जयपुर से प्रेमी संग घूमकर लौटी पत्नी, स्टेशन पर इंतजार कर रहा था पति फिर

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक विवादित प्रेम कहानी को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमला करने का आरोप उसकी कथित प्रेमिका के पति व भाई पर है पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हैं जिनकी तलाश की जा रही है। घटना सिहोरा रेलवे स्टेशन के बाहर की है। घायल युवक का नाम रंजीत कुशवाहा है जो कि पनागर का रहने वाला है और महिला बेगबाग थाना इलाके की रहने वाली है। रंजीत एक निजी कंपनी में कार्यरत है और उसका तलाक हो चुका है। उसकी पहचान सोशल मीडिया के जरिए महिला से हुई थी। दोनों में दोस्ती हुई और फिर फोन पर बातचीत होने लगी।

गुजरात ब्लास्ट केस : एक साथ जलीं 18 चिताएं... चारों तरफ से आ रही थीं रोने-बिलखने की आवाजें

देवास ■

गुजरात के बनासकांठा के डीसा स्थित पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे में जान गवाने वाले मध्य प्रदेश के हरदा और देवास जिले के सभी 18 लोगों के शव गुरुवार सुबह संदलपुर गांव लाए गए। इसके बाद नेमावर स्थित नर्मदा नदी के तट पर सभी का अंतिम संस्कार किया गया। मृतकों में 9 लोग संदलपुर के रहने वाले हैं, जबकि एक युवक खातेगांव का रहने वाला था। जबकि, शेष 8 शव हरदा के हैं। हादसे के शिकार सभी का अंतिम संस्कार एक साथ किया गया। इस दौरान चारों ओर से सिर्फ अपने मृतकों के दुख में रोते-बिलखते लोगों की आवाजें सुनाई दे रही थीं। नेमावर में स्थित नर्मदा के तट पर सभी का अंतिम संस्कार किया गया। अंत्येष्टि में सांसद प्रतिनिधि कमल पटेल, हरदा के विधायक आर.के दोगने, खातेगांव के विधायक आशीष शर्मा, मृतकों के परिजन के साथ-साथ दोनों जिलों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इनकी हुई मौत

हादसे में संदलपुर के लखन पिता गंगाराम (24), उसकी पत्नी सुनीता(20), मां केशरबाई (50), बहन राधा (11), रुकमा (8), भाई अभिषेक की मौत हुई। वहीं इनके रिश्तेदार राकेश पिता बाबूलाल भोपा (30), उसकी पत्नी डॉली (25), बेटी किरण (5) की मौत हुई है। वहीं राकेश की एक बेटी नैना (2) घायल हुई है। हादसे में खातेगांव के पंकज सांकलिया की भी मौत हुई है।

एक साथ जलीं 18 चिताएं

विधायक आशीष शर्मा, एसडीएम प्रिया चंद्रावत सहित अधिकारी संदलपुर पहुंचे और मृतकों के परिजनों से चर्चा की। इस दौरान परिजन ने आग्रह किया कि कम से कम अंतिम दर्शन के लिए शवों को दिखा दें। इस पर उन्हें बताया कि, शव क्षत-विक्षत हालत में हैं। ऐसे में तय हुआ कि, सभी शवों के अंतिम दर्शन एम्बुलेंस में ही होंगे। इसके बाद ठीक उसी तरह अंतिम दर्शन कराए गए। फिर सभी 18 शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

एमवाय अस्पताल में रखे गए थे शव

शव लेने के लिए बुधवार सुबह खातेगांव के प्रशासनिक अधिकारियों की टीम डीसा पहुंची थी। कागजी खानापूर्ति के बाद सुबह करीब 8.30 बजे 6 एम्बुलेंस में 10 शव को लेकर अधिकारी खातेगांव के लिए रवाना हुए। रास्ते में अधिक ट्रैफिक और लंबी दूरी होने के कारण शव का शाम तक खातेगांव व संदलपुर पहुंचना मुश्किल था। इसके चलते परिजन ने सूर्यास्त के बाद अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया। ऐसे में सभी शवों को रात में इंदौर के एमवाय अस्पताल की मचूर्री में रखवा दिया गया था। अब सूर्योदय होते ही सभी शव संदलपुर और खातेगांव लाए गए। यहां एक दिन पहले से ही अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी थी, जिसके चलते नेमावर में तत्काल ही सभी का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

महिला को नहाते देखकर बहक गया था युवक, छेड़छाड़ का विरोध करने पर उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

दमोह ■

दमोह जिले के तारादेही थाना क्षेत्र के एक गांव में दिनदहाड़े हुई महिला की हत्या के आरोपी को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने महिला को नहाते हुए देख लिया था। वह नशे में था इसलिए नीयत खराब हो गई और छेड़छाड़ का प्रयास किया। महिला द्वारा विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी थी। आरोपी पर हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने महिला की हत्या दिनदहाड़े कर दी थी। जब दो सगे भाइयों ने विरोध किया तो उन पर तलवार से हमला कर घायल कर दिया था। तारादेही पुलिस ने हत्या के आरोपी मुकेश पिता छोटेलाल यादव निवासी बांसी को गिरफ्तार किया है। घटना के दिन यह बात कही जा रही थी कि आरोपी चोरी के उद्देश्य से घर में घुसा था। महिला ने उसको देख लिया था इसलिए महिला की उसने हत्या कर दी थी, लेकिन जब आरोपी को पुलिस ने पकड़ा तो हत्या का अलग ही कारण सामने आया। तारादेही पुलिस ने आरोपी मुकेश यादव को गिरफ्तार कर जब पूछताछ की तो उसने बताया कि बीमारी के चलते कई साल पहले उसकी पत्नी की मौत हो गई।

पुलिस ने साइलेंसरों पर चलाया बुलडोजर, ध्वनि प्रदूषण करने वालों पर कसी नकेल

उज्जैन ■

उज्जैन में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर फरार्टे से दोपहिया वाहन चलाया तो खैर नहीं। पुलिस ने ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। वाहनों में लगे साइलेंसरों को जब्त भी किया गया है। पुलिस ने करीब 11 लाख रुपये कीमत के साइलेंसर और हूटरों पर बुलडोजर चलवाकर ये संदेश भी दिया है कि उज्जैन में ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों की खैर नहीं है।

पुलिस के अनुसार पिछले एक माह में मॉडिफाइड साइलेंसरों और हूटरों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। इसके बाद इन पर बुलडोजर चलाया गया। एएसपी नितेश भार्गव ने बताया कि जब्त किए गए साइलेंसर और हूटरों की कीमत करीब 11 लाख रुपए है। यहां पर ऐसा भी एक साइलेंसर नष्ट किया गया जिसकी कीमत 85 हजार रुपए से ज्यादा थी। पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर चलाने वाले लोगों को सख्त हिदायत भी दी है। मॉडिफाइड साइलेंसर बेचने वाले दुकानदारों और मैकेनिकों पर भी कार्रवाई की गई है।

पानी को लेकर गांव व नगर के वार्डों की सीमा की जंग

दमोह ■

शहर के रेलवे लाइन के दूसरे छोर पर चार वार्डों को पेयजल सप्लाई करने वाली कचरा टंकी से इमलाई पंचायत के कनेक्ट करने के प्रयास के पहले विरोध शुरू हो गया है। शहर के लोग इसके विरोध में है और इसी के चलते फिलहाल काम रोक दिया है। इस बीच ग्राम पंचायत इमलाई और चारों वार्ड में पहुंचकर पेयजल की स्थिति सहित अन्य मुद्दों पर लोगों से चर्चा की। साथ ही पानी को लेकर बनी आमने-सामने की स्थिति को समझा।

मागंज ४,५,६ और फुटेरा ४ के पार्षदों की ओर से पप्पू कसोटया ने बताया कि आजादी के कई दशक

निकलने के बाद रेलवे लाइन के दूसरे पार पानी पहुंच गया है। इसमें भी अभी ४-५ साल ही हुए कि लोगों को थोड़ी बहुत राहत है। अभी भी फुटेरा ४ सहित कुछ वार्डों के हिस्सों में नल से जल नहीं पहुंच पा रहा है। जिसका कारण इतना प्रेशर टंकी में नहीं होना बताया जाता है। अभी वैसे भी एक दिन छोड़कर हमें पानी मिल पाता है। आगे हम जनता को परेशान नहीं देखना चाहते, इसीलिए इसका विरोध कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत की ओर से उपसरपंच रमेश श्रीवास्तव ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर कलेक्टर ने सीएमओ की व्यवस्था कराने कहा था। इसीलिए हम टंकी के ओवरफ्लो से कनेक्ट कर रहे हैं, जिससे कि गांव के लोगों को पानी मिल सके। गर्मी में यहां काफी परेशानी हो जाती है। टेंकर व्यवस्था नियम विरुद्ध है। ऐसे में अस्थाई तौर पर यही व्यवस्था है, जिससे ग्रामीणों को पानी मिल सकता है।

जनता मांगे पानी

ग्राम पंचायत इमलाई की सुहागरानी ने बताया कि पानी की बूंद-बूंद को परेशान है। कुंआ, हेंडपंप, बोर सब खराब हो चुके हैं। गर्मी भर विकराल संकट हो जाता है।

मागंज वार्ड के शिवा रैकवार कहते है कि एकमात्र टंकी बनी हुई है। जिससे चार वार्डों में पानी भी अच्छे से नहीं पहुंच रहा है। ऐसे में गांव में और पानी जाने लगेगा तो वार्डों में भी समस्या बढ़ जाएगी।

Change in Name

I Manju Sharma D/o Dharmvir Sharma here by Declare That I have changed My name as Monika Sharma W/o Mukesh Sharma so, from now and in future I will be known by my new name Monika Sharma W/o Mukesh Sharma.

Add: 494, Kalani Nagar, Indore (M.P) 452005

उच्चतम न्यायालय में प्रकरण दर्ज किये बिना जांच कैसी?

राजीव खंडेलवाल
(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार)
Email- rajeevakhandelwal@yahoo.co.in
Blog-www.aandolan.com
ग्लोबल हेराल्ड

विधायिका व कार्यपालिका से सुप्रीम(सर्वोच्च) उच्चतम न्यायालय। कितना संवैधानिक?

संविधान में शक्तियों का पृथक्करण करते हुए तीनों संवैधानिक शक्तियां विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जिनके अधीन संघ व राज्य सरकारें कार्य करती हैं, अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वोच्च होकर स्वतंत्र रूप से अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में कार्य करती हैं। यही हमारे संविधान का मूल चरित्र हैं। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णयों से स्वयं को संविधान से ऊपर कई बार स्थापित कर सिद्ध किया है। तुलसीदास जी के शब्दों में प्रभुता पाहि जाहि मद नाहिं। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 1973 में केशवानंद भारती वि. केरल राज्य (1973 एआईआर 1461 एससी) के प्रकरण में यह निर्णीत किया कि संसद द्वारा पारित कोई भी कानून जो संविधान की मूल ढांचा, संरचना, भावना के विरुद्ध है, वह अवैध है। इस प्रकार उच्चतम न्यायालय द्वारा पहली बार संविधान की मूल भावना की अवधारणा का सिद्धांत प्रतिपादित कर अपने अनेकोंनेक निर्णयों में उल्लेख कर उनका पालन आज तक निर्बाध रूप से किया जा रहा है। इस निर्णय के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी सुप्रीम की (सर्वोच्चता) नाम के अनुरूप विधायिका के ऊपर स्थापित की, जो शायद संविधान की मूल भावना नहीं थी । शायद इसी सुप्रीमो के चलते वह जस्टिस वर्मा के विरुद्ध दायर याचिका को इस आधार पर अस्वीकार कर देता है कि वह प्रीमेच्योर (समय पूर्व) है। जबकि स्वयं मुख्य न्यायाधीश घटना को संज्ञान में लाने पर प्रथम दृष्टया जस्टिस वर्मा के विरुद्ध मामला दिखने पर ही तो उनका स्थानांतरण व न्यायिक अधिकार आगामी आदेश तक निलंबित कर देते हैं। इस प्रकार उपरोक्त दो विरोधाभासी कदम स्वयं उच्चतम न्यायालय की कार्यवाही में उठते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की सुप्रीमेसी। राजा कोई गलती नहीं करता। यह आश्यर्च की बात नहीं है कि बिना प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज किए जांच व उसके परिणाम कितनी प्रभावी व महत्वपूर्ण होगी ? वह तो पानी मे लठ मारने जैसी होगी। इन-हाउस जांच में तथ्यों के पाए जाने की स्थिति में भी प्रकरण को अंतिम अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकी भी दर्ज करनी होगी। प्रश्न जस्टिस वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी का नहीं है, बल्कि प्रश्न आग कैसे लगी? क्या कोई साजिश थी?, घटना स्थल पर अर्द्ध जले नोट पाए गए, अर्द्ध जले नोट किसके हैं? असली है या नकली? इन सब उलझे हुए तथ्यों व प्रश्नों की सत्यता सामने लाने के लिए स्वयं जस्टिस वर्मा के ही हित में यह था कि वे स्वयं एक प्राथमिक दर्ज कराते, ताकि उनका यह आरोप कि उनके खिलाफ षड्यंत्र रचा गया है, की सही तरीके से विस्तृत जांच हो पाती। घटना की प्रकृति व व्यक्ति की पोजीशन (पद) को देखते हुए अभी तक इस प्रकरण में प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की गई? जो सामान्यतः इस तरह के अन्य किसी भी प्रकरण में होती रही है? स्टैंड अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के मामले मे तो एक ही घटना पर पूर्व मे दर्ज एक एफआईआर के बाद भी तीन-तीन प्राथमिकी अलग-अलग स्थानों पर बिना किसी प्राथमिक जॉच के एक साथ दर्ज कर ली गई। यह बड़ा गंभीर प्रश्न पुलिस प्रशासन, माननीय न्यायाधीश वर्मा तथा उच्चतम न्यायालय तीनों से ही है? वैसे तो ऐसे मामले में उच्चतम न्यायालय से उम्मीद की जाती थी, कि वह स्वयं सज्ञान लेकर कार्यपालिका (पुलिस प्रशासन) के विफल होने पर प्राथमिकी दर्ज करवाता। विपरीत इसके इस संबंध में दायर एक जनहित याचिका प्रीमेच्योर है कहकर खारिज कर दी गई। इससे कहीं न कहीं ऐसा परशेप्शन बन रहा है कि सुप्रीम कोर्ट अपने न्यायाधीश को बचाने का प्रयास कर रहा है, जो मुख्य न्यायाधीश द्वारा घटना की जानकारी मिलते ही तुरंत-फुरंत की गई कार्रवाई से बने सकारात्मक परशेप्शन को विफल भी कर रहा है। उच्चतम न्यायालय के उक्त कदम लेटिन की कानूनी कहावत रेक्स नॉन पोटेस्ट पेकेरे (राजा कभी कोई गलती नहीं करता) रामचरितमानस की चौपाई समरथ को नहिं दोष गुसाई के अनायास बरबस ही याद दिला रहा हैं।

पुलिस प्रशासन की असफलता उदासीनता।

उक्त घटना में प्राथमिकी दर्ज न होने के लिए सिर्फ न्यायालय ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि पुलिस प्रशासन भी उतना ही जिम्मेदार है। अभी तक भी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई, जो ऐसे मामलों में पुलिस का प्राथमिक दायित्व होता हैं। यहां हमारी पुलिस हकीम को अगाडी और घोड़े को पिछाडी होने से बचती दिखाई दी। वस्तुतः कुछ मामलों में शिकायत होने पर जांच कर साक्ष्य एकत्रित करने की

आवश्यकता होने पर ही प्राथमिकी दर्ज करने के पूर्व प्राथमिक जांच की जाकर तदनुसार साक्ष्य मिलने के उपरांत ही तदनुसार प्राथमिकी कार्यवाही दर्ज की जाती है। परंतु जहां अपराध प्रथम दृष्टिया घटित होता है, वहां आगे की कार्रवाई के लिए तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर जॉच प्रारंभ की जाती है। जस्टिस वर्मा के मामले में जब स्वयं उच्चतम न्यायालय ने उनका स्थानांतरण (यद्यपि सुप्रीम कोर्ट ने स्थानांतरण का आग के प्रकरण से कोई संबंध न होना बतलाया) किया व उनके न्यायिक अधिकार तक वापस लिये गये,जो उनके विरूध्द प्रथम दृष्टया अपराध घटित होने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। प्रस्तुत प्रकरण में एक नहीं कई प्रश्न मौजूद हैं। न्यायाधीश से लेकर न्यायापालिका की प्रतिष्ठा का प्रश्न है, भ्रष्टाचार का प्रश्न मौजूद है, प्राथमिकी दर्ज न होना और इस स्थिति के लिए उच्चतम न्यायालय का दीवार समान सुरक्षा भेद खड़ा कर देना, उच्चतम न्यायालय की छवि को बेहतर नहीं करता है। गृहमंत्री का यह कथन स्वीकारें जाने योग्य नहीं है। यधपि जज को यह प्रतिरक्षा (इम्युनिटि) प्राप्त है कि सिर्फ सीजीआई की अनुमति से ही उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज की जा सकती है। उच्चतम न्यायालय ने याचिका अस्वीकार करते समय यह आदेश पारित नहीं किया है कि कोई एफआईआर दर्ज ही न की जाए, बल्कि उन्होंने याचिका पर इस आधार पर कार्यवाही करने से इनकार कर दिया कि इन-हाउस जांच पूरी हो जाने के बाद सभी रास्ते खुले हैं। प्राथमिक दर्ज होने का मतलब यहा सिर्फ जस्टिस वर्मा के खिलाफ का मामला नहीं है, बल्कि घटित आग की घटना को लेकर है, जिसमे कई व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। जज के घर लगी आग की घटना को कॉलेजियम के गुण दोष से जोड़ने की खतरनाक कोशिश।

प्राथमिक दर्ज करने की याचिका को अस्वीकार करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने उच्चतम न्यायालय द्वारा घटना की जानकारी के उपरांत की गई तत्काल कार्रवाई पर न केवल पानी फेर दिया है, बल्कि कॉलेजियम जिसका जस्टिस वर्मा के घर पर घटित घटना से कोई लेना-देना नहीं है, के औचित्य व गुण दोष पर बहस चलाने का मौका कुछ स्वार्थी तत्वों जिनसे पूछो हंसिया रे तू टेढा काहे, तो कहेंगे अपने मतलब से को अवश्य मिल गया हैं। कॉलेजियम का संविधान में कोई उल्लेख नहीं है । वर्ष 1981 में उच्चतम न्यायालय ने एसपी गुप्ता के मामले में यह निर्णय दिया था की न्यायाधीशों की नियुक्ति संविधान में लिखी गई व्यवस्था के अनुसार ही होगी। वर्ष 1993 में इसी उच्चतम न्यायालय की 9 सदस्यीय फुल बेंच ने अपने 1981 के निर्णय को पलट कर पहली बार तीन सदस्यीय कॉलेजियम नामक एक नई संस्था का निर्माण कर खुद को ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार देकर अपने को सुप्रीम बना दिया। तत्समय केंद्रीय शासन की न्यायाधीशों की नियुक्ति में हस्तक्षेप के कारण कॉलेजियम के अस्तित्व में आने का न्यायिक क्षेत्रों में स्वागत जरूर किया गया था। विश्व में इस तरह की कॉलेजियम भी एक अनोखी, अकेली सर्व-शक्तिशाली व्यवस्था हमारी न्याय प्रणाली में ही है। वर्ष 1998 में उच्चतम न्यायालय ने तीन सदस्यों की जगह पांच सदस्यीय कॉलेजियम की व्यवस्था की। परंतु अब वही कॉलेजियम की निरंकुशता, निष्पक्षता, पारदर्शिता, भाई भतीजावाद आदि को लेकर कॉलेजियम के विरुद्ध गाहे-बगाहे उठ रही आवाज को इस घटना को लेकर कुछ स्वार्थी तत्वों ने न्यायपालिका के कार्यप्रणाली से संबंध जोड़ कर तूल दे दिया है। संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम 2014 को उच्चतम न्यायालय ने अवैध घोषित कर दिया था, की पुर्नस्थापना की स्थिति निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है। हॅसी हॅसी मे हसनगढ बसाने की यह कोशिश एक खतरनाक पहल सिद्ध होगी। इस बात को उन लोगों को जरूर समझना चाहिए, खास कर कपिल सिब्बल जैसे वरिष्ठ वकीलों जिन्होने एफ.नरीमन, राम जेठमलानी (जो स्वर्गवासी हो गये) जैसे वरिष्ठ वकीलों के साथ कॉलेजियम को स्थापित करने के लिए जोरदार योगदान दिया गया था। अब वही कपिल सिब्बल ने न्यायाधीशों की नियुक्तियों को लेकर केंद्र सरकार द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्तियों के लिए लाया गया कानून एनजेएसी का विरोध नहीं किया था। निश्चित रूप से कॉलेजियम में जवाबदेही से लेकर कई कमियां है, जिसे पारदर्शी बनाए जाने की नितांत आवश्यकता है। इसे संहिताबद्ध करके इसमें कोई न कोई ऐसी प्रणाली अवश्य बनाई जानी चाहिए, जिसमें न तो सरकार का हस्तक्षेप हो और न ही न्यायाधीशों का अहम, निरंकुशता व भाई भतीजा वाद।

निजी स्कूल किताब-ड्रेस अपनी चहेती दुकानों से खरीदने को कर रहे मजबूर, कांग्रेस ने उर को भेजी शिकायत, आरटीई नियमों का उल्लंघन

भोपाल ■

एमपी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि निजी स्कूलों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि अत्यंत महंगी किताबें और यूनिफार्म निजी स्कूल अपनी चहेती दुकानों से खरीदने के लिए कह रहे हैं। त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने के तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की है।

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्रवाई नहीं कर रहें। जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं।

जबलपुर कलेक्टर की कार्रवाई का दिया उदाहरण

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हाल ही में जबलपुर कलेक्टर द्वारा निजी स्कूलों पर की गई कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम है , जिससे शिक्षा माफियाओं पर अंकुश लगा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि ऐसी कार्रवाई पूरे प्रदेश में सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि अन्य जिलों में निजी स्कूलों की मनमानी रोकी जा सके और छात्रों व अभिभावकों को राहत मिले , निजी स्कूलों के खिलाफ दर्ज सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का 15 कार्य दिवस में निराकरण कर उचित कार्यवाही करें।

पीले चावल देकर सरकार को चेतावनी- विवेक त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजकर सांकेतिक रूप से सरकार को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि समाज का अधिकार है, इसके व्यवसाय कारण का हम पुरजोर विरोध करेंगे और कांग्रेस हर स्तर पर छात्रों व अभिभावकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी।

कांग्रेस की शासन से मांग

1. एनसीईआरटी की किताबों को १२३ क्लास से ही अनिवार्य किया जाए , वहीं नर्सरी केजी-1 केजी 2 की किताबों में 5 वर्ष तक किसी भी बदलाव पर अंकुश लगे ताकि बार-बार अभिभावकों पर महंगी किताबों का आर्थिक बोझ न पड़े।
2. स्कूलों द्वारा चुनिंदा दुकानों से खरीददारी कराने पर रोक लगे और इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पोर्टल पर किताबों की सूची तत्काल डाली जाएं।
3. नियम विरुद्ध मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो 10% का नियम कढ़ाई से लागू हो।
4. कांग्रेस सरकार की योजना आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत गरीब बच्चों को अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाए और इसके पालन की निगरानी हो जिसके लिए जिला और प्रदेश स्तर पर उचित शिकायतें निवारण प्रकोष्ठ बनें।
5. जिला कलेक्टर कार्यालय में एक विशेष दिन शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की जनसुनवाई की जाएं।

समर्थन मूल्य पर अरहर उपार्जन के पंजीयन 25 अप्रेल तक

दमोह ■

समर्थन मूल्य पर अरहर उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन 28 मार्च से 25 अप्रेल तक किए जा रहे हैं। जिला उपार्जन समिति की बैठक लिए गए निर्णयानुसार पूर्व में चना, मसूर, सरसो एवं गेंहू में बनाए गए पंजीयन केन्द्रो में ही अरहर उपार्जन के पंजीयन किए जाएंगे। अरहर उपार्जन कार्य के लिये 68 पंजीयन केन्द्र निर्धारित किए है।

पंजीयन व्यवस्था में शासन द्वारा संशोधन कर किसानों की सुविधा की दृष्टि से समितियों के अतिरिक्त केन्द्रों पर भी पंजीयन की व्यवस्था की गई है। पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था के तहत शुल्क राशि 50 रुपए, ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र पर एमपी ऑनलाईन कियोस्क के माध्यम से , जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क के माध्यम से, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर लोक सेवा केन्द्रों के माध्यम स, सहकारी समितियों द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साईबर कैफे के माध्यम से पंजीयन सुविधा व एमपी किसान एप के माध्यम से पंजीयन किया जा सकेगा। निर्देश दिए गए हैं कि सिकमी बटाईदार व वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति स्तर पर स्थापित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। उक्त श्रेणी के शत-प्रतिशत किसानों के सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा किया जाएगा।

डॉ. यादव बोले- पुरानी देनदारी चुका कर विकास के विविध पैमानों पर आगे बढ़ रहा है राज्य

भोपाल ■

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है।विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी- कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है। हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुड़ने वाले उद्योगों से किये गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है। ताप विद्युत गृहों में उपयोग के लिए कोयला भंडारण का अग्रिम भुगतान भी सरकार की ओर से किया जा चुका है।

म प्र के बहुचर्चित भ्रष्टाचार: धनकुबेर सौरभ शर्मा की जमानत पर भड़की कांग्रेस, भ्रष्टाचार रूपी घड़े फोड़कर किया प्रदर्शन

सीहोर ■

मध्य प्रदेश के बहुचर्चित भ्रष्टाचार के मामले में परिवहन विभाग में पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को लोकायुक्त कोर्ट से जमानत मिलने को लेकर सियासत तेज है। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और प्रदेश सरकार पर आरोप लगा रही है। इसे लेकर सीहोर में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के मटके भी फोड़े।

जिला मुख्यालय सीहोर में कांग्रेस कार्यकताओं ने जमानत का विरोध किया। कोतवाली चौराहा पर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और यहां पर मटके भी फोड़े। बड़ी संख्या में कांग्रेसी यहां एकत्रित हुए

और जमकर प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर प्रतिकात्मक पाप का घड़ा फोड़कर एवं भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। विवेक राठौर ने कहा कि सौरभ शर्मा की जमानत भारतीय जनता पार्टी के भ्रष्टाचार को संरक्षित करने की राजनीति को उजागर करती है। लोकायुक्त 60 दिन में चालान पेश नहीं कर सकी, ऐसी संस्था किस काम की जो चालान नहीं पेश कर पाई। एक पूर्व कांस्टेबल जो भ्रष्टाचार में रंगे हाथों पकड़ा गया उसे जमानत मिल गई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खुलेआम भ्रष्टाचार चल रहा है। जिन अधिकारियों के कारण चालान पेश नहीं हुआ उन पर कार्रवाई होना चाहिए। लोकायुक्त को तत्काल भंग कर दूसरी संस्था बननी चाहिए, जिससे सही तरह से जांच हो सके। सौरभ शर्मा मामले की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में होनी चाहिए।

प्रदर्शन में कांग्रेस ने भाजपा से पूछे सवाल

कांग्रेसजनों ने भाजपा सरकार से सवाल पूछे कि सौरभ शर्मा मामले में चालान पेश न करने की नाकामी के पीछे कौन जिम्मेदार है? जयदीप प्रसाद का ट्रांसफर क्या इस मामले को दबाने की साजिश का हिस्सा है? भ्रष्टाचार के अनेक मामलों में अभियोजन की अनुमति रोककर सरकार भ्रष्टाचारियों को संरक्षण क्यों दे रही है? लोकायुक्त की बार-बार नाकामी के बावजूद इस भ्रष्ट संस्था को क्यों ढोया जा रहा है?

जनता भाजपा को देगी मुंह तोड़ जवाब

प्रतिपक्ष नेता विवेक राठौर ने कहा कि सौरभ शर्मा मामले की निष्पक्ष जांच हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो। जयदीप प्रसाद के ट्रांसफर और समयावधि में चालान पेश नहीं करने के कारणों की विस्तृत जांच हो। भाजपा सरकार का पाप का घड़ा भर चुका है। आने वाले समय में जनता भाजपा को मुंहतोड़ जवाब देगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नईम नवाब, प्रीतम दयाल चौरसिया, रमेश गुप्ता आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश पर बुजुर्ग का रास्ता रोककर मारपीट

सागर। कैंट थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक बुजुर्ग का रास्ता रोक तीन लोगों ने मारपीट कर दी। आरोपियों ने बुजुर्ग को इतनी बेरहमी से मारपीट की कि उन्हें एक सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। बुजुर्ग की शिकायत पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध करते हुए विवेचना में लिया है। पुलिस के अनुसार कपूरिया गांव निवासी 75 वर्षीय पूरन पुत्र रामलाल भदौरिया ने शिकायत में बताया कि 24 मार्च की शाम करीब 7.30 बजे भैसा पहाड़ी से सब्जी लेकर घर जा रहा था। रास्ते में राजा भदौरिया, आनंद भदौरिया व निर्मल भदौरिया मिले और पुरानी रंजिश के चलते गालीगलौच करने लगे और लाठियों से मारपीट शुरू कर दी।

बांधवगढ़ से लाए गए नए टाइगर तांडव को जंगल में छोड़ा गया

शिवपुरी ■

शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में गुरुवार सुबह बांधवगढ़ से लाए गए एक नए टाइगर को छोड़ दिया गया है। इस छोड़े गए बाघ का नाम तांडव है, जिसे माधव नेशनल पार्क प्रबंधन ने सेलिंग क्लब के पास छोड़ा है। छोड़े गए नर टाइगर की उम्र 5 साल है, जिसे बुधवार को बांधवगढ़ में रेस्क्यू किया गया। इसके बाद इसे गुरुवार सुबह शिवपुरी माधव टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया है।

बीते 10 मार्च को मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा इसी क्षेत्र में एक बाघिन को छोड़ा गया था। अब

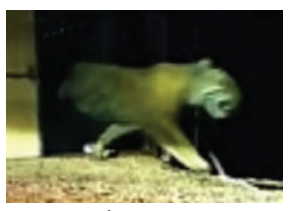

माना जा रहा है कि नर टाइगर आने से बाघ ओर पूर्व में छोड़ी गई बाघिन की जोड़ी बनेगी। शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व में इस नए टाइगर को लाए जाने के बाद अब टाइगरों की संख्या सात हो गई है। इनमें दो नर, तीन मादा और दो शावक हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व बांधवगढ़ एमटी-5 तांडव टाइगर शिवपुरी के माधव टाइगर रिजर्व के लिए लाया गया है। बताया जा रहा है कि यह टाइगर फाइटर है और यह अपनी टेरिटरी एरिया के लिए दूसरे टाइगर से फाइट करता था। वैसे अब माधव टाइगर रिजर्व शिवपुरी में आने के बाद तांडव को टेरिटरी बनाने दूसरे टाइगर से फाइट की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि यहां टाइगर कम हैं और जंगल बहुत बड़ा है। पार्क के अधिकारियों ने बताया है कि माधव टाइगर रिजर्व में 10 मार्च को मादा टाइगर को छोड़े जाने के बाद अब गुरुवार को नर टाइगर को भी मुक्त किया गया है। मादा टाइगर के शिवपुरी आने के बाद कुछ ही दिनों के अंदर यहां पर इसने अपना इलाका बना लिया और उसे यहां का जंगल पसंद भी आ रहा है।

समर्थन मूल्य पर 2025 में चना, सरसो और अरहर पंजीयन की आखिरी डेट

16 उपार्जन केंद्रों से समर्थन मूल्य पर चना व सरसों का होगा उपार्जन

दमोह ■

जिले में रबी विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर व सरसो की खरीदी १६ उपार्जन केंद्रों पर शुरू हो गई है। जो कि ३१ मई तक चलेगी। चना समर्थन मूल्य 5650, मसूर 6700 व सरसों 5950 रुपए प्रति क्विंटल का उपार्जन ई-उपार्जन पोर्टल में

पंजीकृत किसानों से किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जो खरीदी केंद्र बनाए गए हैं, उनमें बांदकपुर, टिकरी पिपिरिया, कुंवरपुर, मुहरई, केवलारी बांसाकला, पिपरिया चंपत, रसीलपुर, हिनौताकला, सोजना, पटेरिया, पटना मानगढ़, खमरिया बिजौरा, तेंदूखेड़ा और सांगा सहकारी समिति शामिल है। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक निर्धारित खरीदी,उपार्जन केन्द्रों पर उपार्जन नीति में दिए गए निदेर्शानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। साथ ही ई- उपार्जन पोर्टल पर पंजीकृत किसानों से चना, मसूर व सरसों की खरीदी कराना सुनिश्चित करेंगे।

सागर, नदियाँ, आकाश, सितारे ईश्वर का अहसास कराते

ईश्वरीय सत्ता के दर्शन प्रकृति से निकटता बनाकर ही सम्भव है। मुझे तो प्रकृति मे ईश्वर की सत्ता का आभास होता है। मै यह सोचकर अचंभित हो जाता हूं की रोज सुबह होती है, रोज शाम होती है, रात भी रोज ही होती है, समय पर यह क्रम बना हुआ है, जो अनवरत चलता रहता है। ठंड, गर्मी, बरसात का सिलसिला भी अनवरत जारी है। नदी, आकाश, सूरज, चंन्द्रमा, तारे, पेड़, जंगल, पहाड़ यह सब ईश्वरीय सत्ता के प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रकृति को ईश्वरीय सत्ता मानने का सबसे अधिक विश्वास किसी संस्कृति मे है तो वह है सनातनी संस्कृति मे जिसमे प्रकृति को ही ईश्वर मानने का विश्वास व्यक्त किया है। सूरज को अर्ध्य, पेड़ो की पूजा, नदियों को वंदन और प्रकृति के आदर का भाव जो भारतीय सनातनी संस्कृति मे दशार्या गया है, वह दुनियाँ के समक्ष उच्च मापदंड स्थापित करने वाला है। दुनियां बहुत विशाल है, एक मानव के लिये इसे पूर्ण रूप से देख पाना सम्भव भी नहीं दिखाई देता है। किंतु इंसान प्रकृति के निकट पंहुचा है। जल, थल, नभ सभी प्रकृति के विभिन्न रूप है।

नरेंद्र तिवारी पत्रकार
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

नदी, जंगल, सागर आकाश, पहाड़ आदि की निकटता मे ईश्वरीय दर्शन का आनुभव किया है। मैंने अपने जीवन मे सागर की यात्रा कुल दो बार की है। मुंबई के गेटवे आफ इण्डिया के सामने से जहाजनुमा बोट मे बैठकर एलीफेंटा की यात्रा का अनुभव है। अरब सागर मे गेटवे आफ इण्डिया से एलीफेंटा की गुफा पहुंचने मे आधा घंटा या इससे कम समय लगता है, किंतु अरब सागर की नीली जलराशि को चिरते हुए हमारी बोट आगे बढ़ी तो प्रकृति की सुंदरता के दर्शन हुए, समुद्र की एक अलग दुनिया है, बोट के किनारे खडे होकर हाथ मे खाने की सामग्री रखकर हाथ ऊपर करते ही सफेद रंग के सेगुल पक्षीयों का झुण्ड आपसे खाने की सामग्री अपनी चोंच मे दबाकर जब फुर्र होता है, तब समुद्री यात्रा के इस पक्ष से परिचित होने का अवसर मिलता है। पक्षीयों का यह समूह लगातार आपकी नाव के चक्कर काटते रहते है, जब तक कोई उन्हें सामग्री खिलाता रहे। सागर की यात्रा का यह पहला अवसर था। इससे पूर्व और बाद मे समुद्र देवता के दर्शन मुंबई, चेन्नई, भेंटद्वारिका और दिव मे करने का शुभावसर प्राप्त हुआ। सागर की लहरों का मचलना और खुद मे सिमटना, प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कराता है। सनातन संस्कृति मे समुन्द्र को देवता के रूप देखा जाता है। वरुण को जल और समुद्र का देवता कहा जाता है। रामायण मे वरुण देवता से भगवान श्रीराम द्वारा मदद मांगी जाने का प्रसंग शामिल है। हिन्दू चिंतन मे समुद्र मंथन की कथा प्रसिद्ध है, जिसमे देवताओं और असुरो ने मिलकर समुद्र मंथन किया था, जिससे अमृत और बहुमूल्य वस्तुएं प्राप्त हुई थी। जल मे सागर के बाद मानवीय सभ्यता के विकास मे नदियों का बड़ा महत्व है। भारत मे नदियों को पूजने की परम्परा भी वैदिककाल से चली आ रही है। गंगा, जमुना, सरस्वती के संगम स्थल प्रयागराज मे दुनियां ने भारतीय संस्कृति के गर्व प्रयागराज महाकुम्भ को देखा, सदियों से नदियों किनारे लगते आ रहे भारतीय संस्कृति के इन कुम्भ मेलों के आयोजनों मे भी नदियों की महत्ता को प्रतिपादित किया है, बारह वर्ष मे लगने वाले चार कुम्भ हरिद्वार गंगा, प्रयागराज त्रिवेणी संगम, नाशिक गोदावरी तट और उज्जैन शिप्रा के तट पर अनेकानेक बरसों से आयोजित होते आ रहे है। सनातन संस्कृति मे नदियों को माता कहकर सम्बोधित किया गया है। नदियों को पवित्र माना जाता

है, वें जीवन और मोक्ष का प्रतिक है। जल और अन्न प्रदान करती है। भारत मे सप्तनदी मे गंगा, जमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी शामिल है जिनका हिन्दू पौराणिक ग्रंथो मे उल्लेख है। नदियों मे माँ गंगा के दर्शन का अवसर 5 से अधिक बार मिला ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयागराज और काशी गंगा किनारे यह स्थल आस्था और भक्ति के महत्वपूर्ण केंद्र है, गंगा के तेज बहाव और शीतलता का अनुभव हरिद्वार मे गंगा स्नान के दौरान हुआ, हर की पेड़ी पर हिमालय से अवतरित गंगा के सबसे सुंदर और वैभव शाली रूप के दर्शन होते है। हरिद्वार उत्तराखंड मे है, इस प्रदेश को देव भूमि इसलिए कहा जाता है की यह प्राकृतिक सम्पदाओं से अच्छादित है, अपनी देहरादून और मसूरी की यात्रा के दौरान प्रकृति के निकटता से दर्शन हुए। माँ गंगा के बाद नदियों मे मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा के दर्शन करने का सबसे अधिक बार अवसर मिला, अमरकंटक माँ नर्मदा के उदगम स्थल से जबलपुर मे बेहद सकरी नर्मदा की जलधारा फिर होशंगाबाद अब नर्मदापुरम सेठानी घाट पर माँ के दर्शन स्नान का अवसर महेश्वर का सुन्दर घाट और माँ नर्मदा की कलकल ध्वनिरत धाराएं जो गुजरात राज्य मे प्रवेश से पूर्व एमपी के बड़वानी जिले को पल्लवीत, पुष्पीत और सिंचित करती आ रहीं है। माँ नर्मदा के किनारे स्थित शहर धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न दिखाई देते है, नदियाँ मानव के विकास मे सहायक है, नदी किनारे स्थित शहर गांव उन्नत खेती से लगातार विकसित होते जा रहे है। पहाड़ो, जंगलो को भी सनातन संस्कृति मे महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। गिरिराज गोवर्धन को देव मान्यता प्राप्त है, इस पर्वतराज को जो यूपी के मथुरा जिले से 22 किलोमीटर की दुरी पर स्थित है, भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के कोप से बचाने के लिये 7 दिनों तक अपने वाम हस्त की कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन को उठाकर रखा था। अपने जीवन मे सतपुड़ा के पर्वतों को निकटता से देखा जहाँ पेड़, पौधे, वनस्पति जंगलवासियों के जीवन यापन के प्रमुख साधन होते है। यहां जंगली जीव जंतु भी निवास करते है। वन विभाग ने जंगलो और जंतुओ को सहजने के लिये राष्ट्रीय उद्यान शुरू किये है। इस तरह उमरिया जिला स्थित बाँधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान मे जाने का अवसर मिला यहां वन विभाग की टीम के साथ खुले जीप वाहन मे घूमे तो देखा टाइगर और जंगल के जीव जंतु वनविभाग की उस टीम पर हमला नहीं करते जो प्रतिदिन उनके भोजन पानी और अन्य इंतजाम मे लगे होते है, वाहनो को भी पहिचानते है। सामने टाइगर अपनी मस्ती मे बैठा है, उससे कुछ ही मीटर की दुरी पर जीप मे सवार यात्री टाइगर की फोटो ले रहे है। भय यह भी की टाइगर हमला न कर दे किंतु टाइगर सहित जंगली जानवरो की देखने की यह मंशा बाँधव गढ़ मे ही पूर्ण हो सकी इस यात्रा ने प्रकृति को निकट से देखने का अवसर भी निर्मित किया। पेड़, पौधों, जीव, जंतुओं को पूजने की संस्कृति वाले देश मे देखा जा रहा है की वनों की अनाधून कटाई की जा रही है, जंगली जंतुओं का शिकार किया जा रहा है, नदियों को महज रेत की खदान और पहाड़ो को गिट्टी, मिट्टी के सासाधनों के रूप मे इस्तेमाल किया जा रहा है। जंगलो की कटाई निरंतर जारी है, जिसने पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ दिया है। मानव शरीर पंच तत्वों से बना है, भारतीय दर्शन मे इन पंच तत्वों को सभी पदार्थो का मूल माना गया है, इनसे ही सृष्टि का हर पदार्थ बना है। पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, अग्नि तत्वों की महत्ता है। इन्ही तत्वों से तो हमारी प्रकृति निर्मित है। अपनी हवाई जहाज यात्राओं के दौरान बादलों के ऊपर उड़ने के अनुभव को महसूस किया। ऊंचाई से धरती को देखा जो बहुत छोटी नजर आती है। जीवन के पांच दशकों मे धार्मिक स्थलों के दर्शन किये, किंतु महसूस किया की ईश्वर प्रकृति मे बसता है, प्रकृति ही ईश्वर है। जल, जंगल, जमीन को सहजने की आवश्यकता है। भारतीय परम्पराओं मे सागर, धरती, पेड़, पौधे, पहाड़, जीव, जंतुओं मे ईश्वर का वास माना जाता है। जो प्रकृति का दोहन कर प्रकृति का नाश कर रहे है, प्रकृति का नाश करने वाले असली सनातनी नहीं हो सकते है, असली सनातनी सदैव प्रकृति पूजक रहे है। जो प्रकृति से प्रेम भी करते है और प्रकृति की रक्षा भी करते है, जो प्रकृति के निकट है, यह मानकर चलिए वह ईश्वर के सबसे अधिक करीब है।

सम्पादकीय

मुझे तलाश करो, मैं यहीं कहीं पर हूँ...

(शायर अनीस मेरठी की पुण्यतिथि पर)

डॉ श्रीगोपाल नारसन
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

शायर अनीस मेरठी कहते है, गलत पते के लिफाफे सा मुझको मत समझो, मुझे तलाश करो, मैं यहीं कहीं पर हूँ। रुड़की के महान शायर अनीस मेरठी अब इस दुनिया मे नही है,लेकिन अपनी उम्दा शायरी की वजह से वे हमेशा अपने साहित्य के वतन में जीवित रहेंगे। उनका गत वर्ष अचानक जाना मुझे अंदर तक झकझोर गया था।कई वर्षों से उनकी तबीयत तो ऊपर नीचे होती रहती थी,लेकिन वे इसी खराब तबियत का बहाना कर चले जायेंगे,ऐसा किसी ने भी नही सोचा था।उर्दू शायरी के उस्ताद शायर अनीस मेरठी बेहद शांत स्वभाव के धीरे-धीरे बोलने वाले परिपक्व शायर थे।न जाने उनमे ऐसा क्या था ,जो मेरे मन मे उनके प्रति अथाह सम्मान रहा है।उन्हें भी मुझसे विशेष लगाव था,जब भी उनका मुझसे मिलने का मन होता तो अपनी बेटी बुशरा से मुझे फोन कराते,मुझे भी बुशरा में एक बहन का प्यार झलकता है और मैं अधिकार के साथ बुशरा को बोल देता,अब्बू से मिलने तभी जाऊंगा,जब तुम भी वहां मिलो,बुशरा सहज ही मान जाती और अपने घरेलू कामो को बीच मे ही छोड़कर अब्बू व मेरे लिए दौड़ी दौड़ी अपनी ससुराल से मायके चली आती।हिंदी साहित्य में बहन बुशरा को महारथ हासिल है,जबकि उर्दू में अनीस मेरठी को किसी गुरु या फिर उस्ताद से कम नही आंका जा सकता।कुछ साल पहले दूरदर्शन ने अनीस मेरठी का एक विशेष साक्षात्कार प्रसारित किया था,मेरे डिवाइन मिरर हिंदी चैनल पर भी उनसे उनके साहित्यिक अवदान को लेकर की गई बातचीत खूब पसंद की गई। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे अनीस मेरठी का एक साक्षात्कार करने का अवसर उनकी 84 वर्ष की आयु में उनके घर पर मिला।वायदे के मुताबिक बहन बुशरा भी वहां मौजूद रही, जब बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ तो मुझे आभास हुआ कि अनीस मेरठी नज्म और गजल विधा में शब्दों के जादूगर है,उनकी शायरी पर 2 पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है।बिजली विभाग में नोकरी करते हुए शायरी के क्षेत्र में आगे बढ़े अनीस मेरठी का कहते थे कि शायरी में आदमी कभी मुकम्मल नही होता,जितना सीखता है उतना निखरता जाता है।वे कहते थे कि शायरी में उनके पिता के अलावा उनका कोई उस्ताद नही रहा।उनका यह भी कहना था कि कोई भी शख्स एक अच्छा शायर तभी हो सकता है,जब वह एक अच्छा इंसान हो,क्योंकि शायरी के लिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान होना जरूरी है।सन 1936 में जन्मे अनीस मेरठी सन 1947 में आजादी मिलने के समय कक्षा 6 में पढ़ते थे ,उन्होंने बचपन मे अंग्रेजों का दौर भी देखा,तभी तो वे मानते थे कि देश में आजादी के दीवानों ने जिस आजादी का सपना बुना था,वह आज तक भी पूरा नही हो पाया है।वे मंदिर -मस्जिद के मुद्दे को मात्र सियासी मानते थे,वह भी केवल वोट की सियासत तक।अनीस मेरठी बेबाक बोलते हुए कहते थे कि आज के कवि सम्मेलन व मुशायरे केवल पैसे कमाने का जरिया बनकर रह गए है।साहिर लुधयानवी से प्रभावित अनीस मेरठी नई पीढ़ी को कुछ लिखने से पहले गालिब, फैज अहमद फैज व सोज को पढ़ने और फिर कुछ लिखने की नसीहत देते थे।उन्होंने पहले मेरठ और फिर रुड़की में रहते हुए न जाने कितने कवि सम्मेलनों, मुशायरों में शिरकत की और अपनी मौजूदगी का एहसास अपने कलाम से कराया।दूरदर्शन पर उनका साक्षात्कार अविस्मरणीय रहा।अफसोस यह रहा कि उर्दू के इस महान रचनाकार को सरकार की ओर से कभी कोई तवज्जो नही मिली।अच्छा होता वे जीतेजी सरकारी स्तर पर किसी सम्मान से नवाजे जाते ,जिसके वे हकदार भी थे,हालांकि हम कह सकते है कि अनीस मेरठी किसी सम्मान के कभी मोहताज नही रहे क्योंकि उनकी उम्दा शायरी ही उनके आला होने का सबूत है और यह सबूत हमेशा जिंदा रहेगा।

इतिहास से सबक सीखें या अतीत की घटनाओं का हिसाब-किताब करें?

राम पुनियानी | लेखक

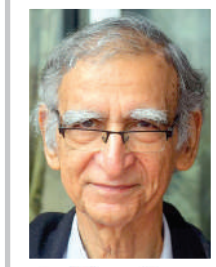

ग्लोबल हेराल्ड

संघ परिवार द्वारा 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाए जाने के बाद से जो सैकड़ों साल पहले हुआ था वह अचानक समाज में चर्चा का मुख्य विषय बन गया है। इतिहास को देखने का एक विशिष्ट नजरिया, जिसमें इतिहास को राजाओं और उनके धर्म के चश्मे से देखा जाता है, को समाज पर थोप दिया गया है। वह भी एक सुनियोजित तरीके से। अब एक कदम आगे बढ़कर साम्प्रदायिक शक्तियां इसको राष्ट्रवाद से जोड़ रहीं हैं। दिलचस्प बात यह है कि साम्राज्यों के काल के इतिहास को राष्ट्रवाद से जोड़ा जा रहा है, इस तथ्य को पूरी तरह भुलाकर कि राष्ट्र-राज्य एक आधुनिक परिकल्पना है और भारत की संकल्पना उपनिवेशवादी शक्तियों के विरूद्ध हुए संघर्ष के समानांतर उदित हुई। साम्प्रदायिक शक्तियां मुस्लिम शासकों से लड़ने वाले हिंदू राजाओं को देशभक्त और महान राष्ट्रवादी और राष्ट्र के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। इससे पहले महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां मारने वाले नाथूराम गोडसे ने अपने अदालती बयानों पर आधारित पुस्तक मे इट प्लीज युअर ऑनर में गांधीजी पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज या महाराणा प्रताप जैसे राष्ट्रवादियों की तुलना में वे अत्यंत तुच्छ थे। अब उसकी विचारधारा को मानने वाले यही बात और जोर से दुहरा रहे हैं। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल में अतीत के आक्रमणकारियों का महिमामंडन करने वालों पर तीखा हमला करते हुए कहा था कि यह देशद्रोह है जिसे ह्यनया भारतह्य बर्दाश्त नहीं करेगा।

भाजपा के तेजतर्रार नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल शासक औरंगजेब की कब्र हटाए जाने की मांगों के बीच आई है। इसी तरह आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) ने सवाल उठाया कि क्या किसी ऐसे व्यक्ति को नायक बताना ठीक है जिसका आचरण भारत के लोकाचार के विपरीत रहा हो। उन्होंने पूछा कि गंगा-जमुनी तहजीब (हिंदू और मुस्लिम सांस्कृतिक तत्वों के मिलन) की वकालत करने वालों ने कभी औरंगजेब के बड़े भाई दारा शिकोह को नायक क्यों नहीं बताया जो सांप्रदायिक सौहार्द का प्रवर्तक बताया जाता है। ये सारी बातें उस माहौल में कही जा रही हैं जब जोर-शोर से औरंगजेब को एक आक्रामक और क्रूर खलनायक बताया जा रहा है। आक्रमणकारी कौन थे? क्या औरंगजेब एक आक्रमणकारी था? सीधी सी बात यह है कि औरंगजेब को अपने पिता शाहजहां के वारिस के रूप में साम्राज्य मिला। मुगल साम्राज्य का संस्थापक बाबर था, जो काबुल पर राज कर रहा था। राणा सांगा ने उसे पत्र लिखकर कहा कि वह आकर दिल्ली के सम्राट इब्राहिम लोधी को पराजित करे। अंततः हुआ यह कि बाबर ने राणा सांगा और इब्राहिम लोधी दोनों से युद्ध किया और दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुआ।

बाबर के पहले यूनानी, कुषाण, हूण और शकों ने उत्तर-पश्चिम से आक्रमण किया और वे यहां के जनसमुद्र का हिस्सा बन गए। केवल मुगल ही यहां नहीं आए, खिलजी, गुलाम और गजनी भी स्थानीय राजाओं के पराजित कर यहां की सत्ता पर काबिज हुए। उस समय भारत, दिल्ली से शासित होने वाले राष्ट्र के मौजूदा स्वरूप में अस्तित्व में नहीं था। राजाओं के बीच सत्ता और संपदा के लिए संघर्ष चलते रहते हैं और शक, हूण, कुषाण व पूर्व में अहोम जैसे विभिन्न समुदायों के मिलन से एक मिश्रित और बहुवादी सभ्यता यहाँ अस्तित्व में आई। भारत देश के प्रतीक कौन हैं? योगी और गोडसे शिवाजी और राणा प्रताप को राष्ट्र नायकों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। शिवाजी के प्रशासन में मुसलमान बहुत से उच्च सैन्य एवं असैन्य पदों पर थे। उन्होंने औरंगजेब के खिलाफ युद्ध लड़ा जिसकी सेना का नेतृत्व मिर्जा राजा जयसिंह के हाथ में था। राणा प्रताप द्वारा हल्दीघाटी में दिखाई गई वीरता स्तुत्य है पर क्या यह भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किया गया संघर्ष था? उनकी सेना में 3000 सिपाही थे जिनमें से एक हजार पठान थे जिनका नेतृत्व हाकिम खान सूर करते थे। दूसरी ओर अकबर की सेना के प्रमुख मानसिंह थे। युद्ध राष्ट्रवाद के मुद्दे पर नहीं, बल्कि मनसब के मुद्दे पर लड़ा गया था। हिंदू राष्ट्रवादी भले ही मुसलमानों के खिलाफ युद्ध लड़ने वालों को राष्ट्र नायकों की तरह प्रस्तुत करना चाहते हों, लेकिन पूरी कहानी इससे ज्यादा जटिल है। यह राजाओं की राजाओं से लड़ाई थी न कि हिंदुओं की मुसलमानों से। ऐसा भी नहीं है कि सारे मुस्लिम राजा जालिम थे और हिंदू राजा शांति के पुजारी थे। कलिंग युद्ध के संबंध में अशोक की कितनी बदनामी है। चोल राजाओं का चालुक्य राजाओं के खिलाफ युद्ध भी अनेक क्रूर घटनाओं के लिए जाना जाता है जिनमें राजेन्द्र चोल की विजयी सेना ने पराजित चालुक्य राजा के सेनापति समुद्रराज का सिर काट दिया जाना और उसकी पुत्री की नाक काट देना शामिल है। औरंगजेब का दानवीकरण राजनैतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है और हिंसा और गौमांस, लव जिहाद जैसे मुद्दों के जरिए मुसलमानों के एक वर्ग को आतंकित और एक दायरे में सिमटने के लिए मजबूर कर दिया जाता है। औरंगजेब को आज के असहाय मुस्लिम समुदाय से जोड़ना कैसे न्यायोचित है। जहां तक इतिहास का सवाल है, उसे कई तरीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है। हिन्दू साम्प्रदायिक तत्व राजाओं को इसलिए बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं क्योंकि वे अतीत में हुई जाति-वर्ण की ऊंच-नीच से जुड़ी क्रूरताओं और महिलाओं के दमन को छिपाना चाहते हैं। अम्बेडकर भारत के इतिहास को बौद्धवाद और ब्राम्हणवाद के संघर्ष के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उनके अनुसार बौद्ध धर्म का उदय ब्राम्हणवादी जातिवादी-वर्णवादी मूल्यों के खिलाफ एक क्रांति के रूप में हुआ। और इसी वजह से बौद्ध धर्म भारत का एक प्रमुख धर्म बन गया। अशोक ने इसे दक्षिण पूर्व एशिया में फैलाया और एक विश्वव्यापी धर्म बन गया। अंबेडकर के अनुसार इस क्रांति के बाद पुष्यमित्र शुंग के नेतृत्व में एक प्रतिक्रांति हुई जिसने हिंसा के जरिए बुद्ध धर्म और बौद्धों का सफाया कर दिया और उसका भारत से लोप हो गया। भारत में उसे दुबारा अंबेडकर लाए। भारत में दलितों और महिलाओं पर अत्याचार आम बात थी। औपनिवेशिक काल में हुए समाज सुधारों से इनमें कमी आई लेकिन ये किसी न किसी रूप में आज भी अस्तित्व में हैं। क्या राजा राममोहनराय भारत के एक महान व्यक्तित्व नहीं हैं? जोतिराव फुले और बाबासाहेब अम्बेडकर, जिन्होंने जाति-वर्ण व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया, के बारे में क्या कहा जा सकता है? क्या वे भारत के प्रतीक नहीं थे, और आप भगत सिंह और अशफाकउल्लाह को किस श्रेणी में रखेंगे? गांधी, मौलाना आजाद, सरदार पटेल, नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस का नाम भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। मुस्लिम राजाओं के जुल्मों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने से हिन्दू राष्ट्र के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में दो तरह से मदद मिलती है। एक ओर इसके जरिए धार्मिक अल्पसंख्यकों पर निशाना साधा जाता है और दूसरी ओर, अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे हिन्दू राष्ट्रवाद के आधार, ब्राम्हणवादी व्यवस्था, द्वारा समाज के कमजोर तबकों पर ढहाये गए अत्याचारों पर पर्दा पड़ता है। प्रधानमंत्री से लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक, सभी ने फिल्म छावा की तारीफों के पुल बांधे। अब मुख्यमंत्री इसे ही नागपुर में हुए साम्प्रदायिक तनाव के लिए दोषी ठहरा रहे हैं। क्या इन महानुभावों ने कभी ऐसी फिल्मों की प्रशंसा की जिनमें अतीत में दलितों और महिलाओं पर किए गए जुल्मों को दिखाया गया हो? यह एक तथ्य है कि भाजपा की तब की प्रमुख नेत्री, विजयाराजे सिंधिया ने सती प्रथा (पति की चिता पर पत्नि को जिंदा जला दिया जाना) का समर्थन किया था और आज योगी-फणनवीस-होसबोले साम्प्रदायिक मुद्दों जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

नवरात्रा पर विशेषः भंवरों को देवी है जीण माता

राजस्थान के सीकर-जयपुर मार्ग पर गोरिया के पास जीणमाता गांव में देवी स्वरूपा जीण माता का प्राचीन मंदिर बना हुआ है। जीण माता का वास्तविक नाम जयन्ती माता है। माता दुर्गा की अवतार है। यह मंदिर शक्ति की देवी को समर्पित है। घने जंगल से घिरा हुआ है यह मंदिर तीन छोटी पहाड़ों के संगम पर स्थित है। जीण माता का यह मन्दिर बहुत प्राचीन शक्ति पीठ है। जीण माता का मंदिर दक्षिण मुखी है। लेकिन मंदिर का प्रवेश द्वार पूर्व में है। मंदिर की दीवारों पर तांत्रिकों व वाममार्गियों की मूर्तियां लगी है। जिससे यह भी सिद्ध होता है कि उक्त सिद्धांत के मतावलंबियों का इस मंदिर पर कभी अधिकार रहा है या उनकी यह साधना स्थली रही है। मंदिर के देवायतन का द्वार सभा मंडप में पश्चिम की ओर है। यहां जीण भगवती की अष्टभुजी आदमकद मूर्ति प्रतिष्ठापित है। सभा मंडप पहाड़ के नीचे है। मंदिर में ही एक और मंदिर है जिसे गुफा कहा जाता है। जहां जगदेव पंवार का पीतल का सिर और कंकाली माता की मूर्ति है। मंदिर के पश्चिम में महात्मा का तप स्थान है जो धुणा के नाम से प्रसिद्ध है। लोगों का मानना है कि यह मंदिर एक हजार साल पुराना है। लेकिन कई इतिहासकार आठवीं सदी में जीण माता मंदिर का निर्माण काल मानते हैं। मंदिर में अलग-अलग आठ शिलालेख लगे हैं जो मंदिर की प्राचीनतम के सबल प्रमाण है। उपरोक्त शिलालेखों में सबसे पुराना शिलालेख संवत 1029 का है। जिस पर उसमें मंदिर के निर्माण का समय नहीं लिखा गया है। इसलिए यह मंदिर उससे भी अधिक प्राचीन है। चैहान चन्द्रिका नामक पुस्तक में इस मंदिर का 9 वीं शताब्दी से पूर्व के आधार मिलते हैं।

एक जनश्रुति के अनुसार देवी जीण माता ने सबसे बड़ा चमत्कार मुगल बादशाह औरंगजेब को दिखाया था। औरंगजेब ने शेखावाटी के मंदिरों को तोड़ने के लिए एक विशाल सेना भेजी थी। यह सेना हर्ष पर्वत पर शिव व हर्षनाथ भैरव का मंदिर खंडित कर जीण मंदिर को खंडित करने आगे बढ़ी तो कहते है कि मन्दिर के पुजारियों के आर्त स्वर में मां से विनय करने पर मां जीण ने भंवरे (बड़ी मधुमखियां) छोड़ दी जिनके आक्रमण से औरंगजेब की शाही सेना लहूलुहान हो भाग खड़ी हुई। कहते है स्वयं बादशाह की हालत बहुत गंभीर हो गई। तब बादशाह ने हाथ जोड़ कर मां जीण से क्षमा याचना कर मां के मंदिर में अखंड दीप के लिए दिल्ली से सवामण तेल भेजने का वचन दिया। कई वर्षो तक माता के मन्दिर में दीपक के लिये दिल्ली से तेल आता रहा फिर दिल्ली के बजाय जयपुर से आने लगा। बाद में जयपुर महाराजा ने इस तेल को मासिक के बजाय वर्ष में दो बार नवरात्रों के समय भिजवाना आरम्भ कर दिया। और महाराजा मान सिंह जी के समय तेल के स्थान पर नगद 20 रु. 3 आने प्रतिमाह कर दिए। जो निरंतर प्राप्त होते रहे। औरंगजेब को चमत्कार दिखाने के बाद जीण माता भंवरों की देवी भी कही जाने लगी। हमारे देश में दुर्गा मां को शक्ति की देवी के रूप में पूजा जाता है। दुर्गा मां के कई रूप और अवतार हैं। पूरे भारत में नवरात्रा के अवसर पर माता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ती है। आस्था से भरे इस देश में माता का स्थान सबसे ऊपर है। जीण माता देवी शक्ति है जो सदियों से लेकर आज तक लगातार आराध्य देवी के रूप में पूजी जाती हैं। जीण माता मंदिर में हर वर्ष चैत्र सुदी एकम से नवमी (नवरात्रा में) व आसोज सुदी एकम से नवमी में दो विशाल मेले लगते हैं। जिनमे देश भर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते है। जीणमाता मेले के अवसर पर राजस्थान के बाह्य अंचल से भी अनेक लोग आते हैं। मन्दिर में बारह मास अखण्डदीप जलता रहता है। हर मंदिर के कपाट चंद्र ग्रहण के दौरान बंद रहते हैं। इसका कारण यह है कि चंद्र ग्रहण के दौरान नकारात्मक शक्तियां बढ़ जाती हैं और सकारात्मक शक्तियां कमजोर पड़ जाती हैं। इसलिए मान्यता है कि अगर मंदिर के कपाट खुले रखेंगे तो मंदिर में बुरी शक्तियों का वास होगा। लेकिन शक्तिपीठ जीण माता मंदिर के कपाट हमेशा खुले रहते हैं। इस मंदिर के कपाट कभी भी बंद नहीं होते हैं। राजस्थान का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां 24 घंटे भक्त मां जीण भवानी के दर्शन करते हैं। लोक कथाओं के अनुसार जीण माता का जन्म अवतार राजस्थान के चूरू जिले के घांघू गांव के अधिपति एक चौहान वंश के राजा घंघ के घर में हुआ था। जीण माता के बड़े भाई का नाम हर्ष था। माता जीण को शक्ति का अवतार माना गया है और हर्ष को भगवान शिव का अवतार माना गया है। कहते हैं कि दोनों बहन भाइयों में बहुत स्नेह था। लेकिन किसी बात पर दोनों मनमुटाव हो गया। तब जीण माता यहां आकर तपस्या करने लगी। पीछे-पीछे हर्षनाथ भी अपनी लाडली बहन को मनाने के लिए आए। लेकिन जीण माता जिद कर साथ जाने से मना कर दिया। हर्षनाथ का मन बहुत उदास हो गया और वे भी वहां से कुछ दूर जाकर तपस्या करने लगे। दोनों भाई बहन के बीच हुई बातचीत का सुलभ वर्णन आज भी राजस्थान के लोक गीतों में मिलता है। भगवन हर्षनाथ का भव्य मन्दिर आज भी राजस्थान की अरावली पर्वतमाला में स्थित है। जीण भवानी की सुबह चार बजे मंगला आरती होती है। आठ बजे श्रृंगार के बाद आरती होती है व सायं सात बजे आरती होती है। दोनों आरतियों के बाद भोग (चावल) का वितरण होता है। माता के मन्दिर में प्रत्येक दिन आरती समयानुसार होती है। चन्द्रग्रहण और सूर्य ग्रहण के समय भी आरती अपने समय पर होती है। हर महीने शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशेष आरती व प्रसाद का वितरण होता है। माता के मन्दिर के गर्भ गृह के द्वार (दरवाजे) 24 घंटे खुले रहते हैं। केवल श्रृंगार के समय पर्दा लगाया जाता है। हर वर्ष शरद पूर्णिमा को मन्दिर में विशेष उत्सव मनाया जाता है। जीणमाता मंदिर से काजल शिखर की 300 फीट ऊंचाई पर है। बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाओं, बच्चों का यहां पहुंच पाना मुश्किल रहता था। इन सबकी सुविधा के लिए अब रोप वे शुरू हो गया है। शिखर तक पहुंचने में अब तक 2 घंटे लगते थे। लेकिन रोप वे से ये दूरी 5 मिनट में तय हो जाती है।

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

अपनेपन का प्रेम असली प्रेम...

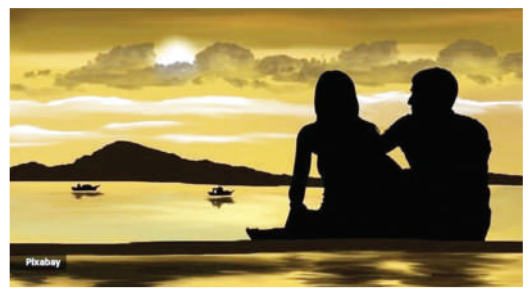

जब प्रेम बहुत गहरा होता है, तब तुम किसी भी गलतफहमी के लिए पूरी जिम्मेवारी लेते हो। पल भर के लिए ऊपरी तौर से नाराजगी व्यक्त कर सकते हो, परन्तु जब इस नाराजगी को दिल से महसूस नहीं करते, तब तुम एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ पाते हो। तब तुम उस अवस्था में हो जहां सभी समस्याएं और मत-भेद मिट जाते हैं और केवल प्रेम झलकता है। प्रायः हम मतभेदों में उलझे रहते हैं क्योंकि अपने वास्तविक स्वभाव से दूर हो गए हैं।

प्रेम के नाम पर हम दूसरों को इच्छानुसार चलाना चाहते हैं। यह स्वाभाविक है कि जब हम किसी से प्रेम करते हैं तो हम चाहते हैं कि वे त्रुटिहीन हो। तुम पहाड़ी के ऊपर से जमीन के गड्ढों को नहीं देख सकते। इसी प्रकार, उन्नत चेतना की अवस्था से दूसरों की त्रुटियां नजर नहीं आती। परन्तु जमीन आकर गड्ढों को (दोषों को) देख सकते हो। और गड्ढों को भरना चाहते हो तो उन्हें देखना ही होगा। हवा में रहकर तुम घर नहीं बना सकते। गड्ढों को देखे बिना, उनको भरे बिना, कंकड़-पत्थर हटाए बिना, जमीन को नहीं जोत सकते। इसीलिए जब तुम किसी से प्रेम करते हो और उनमें दोष ही दोष देखते हो तो उनके साथ रहो और गड्ढे भरने में उनकी मदद करो। यही ज्ञान है। तुम किसी को प्यार क्यों करते हो? क्या उनके गुणों के लिए या मित्रता और अपनेपन के कारण? अपनत्व महसूस किए बिना, केवल उनके गुणों के लिए, तुम किसी से प्रेम कर सकते हो! इस प्रकार का प्रेम प्रतिस्पर्धा और ईर्ष्या पैदा करता है। परन्तु जब प्रेम आत्मीयता के कारण होता है, तब ऐसा नहीं होता। जब तुम किसी को उनके गुणों के लिए चाहते हो और जब उनके गुणों में बदलाव आता है, या जब तुम उनके गुणों के आदी हो जाते हो, तुम्हारा प्रेम भी बदल जाता है। परन्तु प्रेम यदि अपनत्व के भाव से है, क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वह प्रेम जन्म-जन्मान्तरों तक रहता है। लोग कहते हैं, मैं ईश्वर से प्रेम करता हूं क्योंकि वे महान है। और यदि यह पाया जाए कि ईश्वर साधारण हैं, हमारे जैसे ही एक व्यक्ति, तब तुम्हारा प्रेम समाप्त हो जाएगा। यदि तुम ईश्वर से इसलिए प्रेम करते हो क्योंकि वे तुम्हारे अपने हैं, तब वे चाहे जैसे भी हों, चाहे वे रचना करें या विनाश, तुम फिर भी उन्हें प्रेम करते हो। अपनेपन का प्रेम स्वयं के प्रति प्रेम के समान है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, ट्रंप के टैरिफ लगाने से पड़ा दबाव

मुम्बई ■

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के भारत सहित दुनिया भर के देशों पर लगाये गये टैरिफ के कारण बाजार नीचे आया। ट्रंप सरकार ने भारत से अमेरिका में आयात पर 27 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है जिससे घरेलू बाजारों पर दबाव पड़ा है। ट्रंप की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में भी गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 322.08 अंक करीब 0.42 फीसदी नीचे आकर 76,295.36 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 82.25 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी नीचे आकर 23,250 पर बंद हुआ। ट्रंप ने भारत सहित 180 देशों पर नए टैरिफ लगाने के फैसले के बाद अमेरिका से जुड़ी आईटी कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। इसमें टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 4 फीसदी नीचे आये। इसके अलावा एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा के शेयर भी 4 फीसदी गिरे। अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर 26 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद दवा कंपनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला। ऐसा इसलिए क्योंकि रेसिप्रोकल टैरिफ से दवा उत्पादों को बाहर रखा गया है। निफ्टी फार्मा में 4.9 फीसदी की तेजी रही और यह कारोबार के दौरान 21,996.6 के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर एशिआई बाजारों में तेज गिरावट रही। जापान का निक्केई इंडेक्स 3 फीसदी गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.48 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स 1.62 फीसदी टूटा। वहीं गत सत्र में सेंसेक्स 592.93 अंक (0.78 फीसदी) बढ़कर 76,617.44 पर बंद हुआ था, जबकि निफ्टी 166.65 अंक (0.72 फीसदी) बढ़कर 23,332.35 पर बंद हुआ था।

एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस करेगी लॉन्च

नई दिल्ली ■

एप्पल कंपनी एप्पल हेल्थ प्लस नामक नई सर्विस लॉन्च कर सकती है। इस सर्विस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से पावर्ड हेल्थ कोचिंग फीचर शामिल होगा। इस इनिशिएटिव को कंपनी ने प्रोजेक्ट मुलबेरी नाम दिया है, जो अभी टेस्टिंग फेज में है।

यह नया फीचर एप्पल के डिवाइसेज को सिर्फ गैजेट नहीं, बल्कि एक पर्सनल हेल्थ टूल में बदलने की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकता है। एप्पल का एआई हेल्थ कोच यूजर्स को यह बताएगा कि वे अपनी सेहत में कैसे सुधार कर सकते हैं। वर्तमान में, एप्पल डिवाइसेज हार्ट रेट, ब्लड ऑक्सीजन लेवल और कैलोरी बर्न डेटा को ट्रैक करते हैं, लेकिन इस डेटा को गहराई से एनालाइज नहीं किया जाता। एप्पल हेल्थ प्लस के जरिए एप्पल अब इस डेटा का इस्तेमाल करके यूजर्स को कस्टमाइज्ड हेल्थ एडवाइस देने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नया हेल्थ ऐप एक एआई एजेंट या एलएलएम (लार्ज लैंग्वेज मॉडल) के साथ आएगा, जो मेडिकल डिवाइसेज के डेटा के आधार पर यूजर को डीटेल हेल्थ रिपोर्ट और सुझाव देगा। इस एआई कोच में फूड ट्रैकिंग फीचर भी शामिल किया जा सकता है, जिससे यूजर्स अपनी डाइट पर नजर रख सकेंगे।

ट्रंप के टैरिफ से और महंगा होगा सोना

नई दिल्ली। अमेरिकी टैरिफ की वजह से जहां दुनियाभर के शेयर बाजार और कंपनियों में मायूसी है। वहीं सराफा बाजार में रौनक है, क्योंकि ग्लोबल ट्रेड वॉर गहराने की आशंका से सुरक्षित निवेश के नजरिये से सोने की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टैरिफ की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है। दरअसल, बैंक ऑफ अमेरिका ने गोल्ड पर अपना टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। वहीं कई विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें आने वाले कुछ महीनों में 3500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। अगर वैश्विक विशेषज्ञों की मानें तो भारतीय बाजार में सोने का भाव 99000 से 99500 के स्तर तक जा सकता है।

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड... चांदी की चमक पड़ी फीकी

नई दिल्ली ■

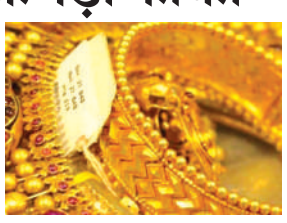

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से जबाबी शुल्क लगाने के कारण वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की शुरूआत जोरदार तेजी के साथ हुई और सोना सार्वजनिक उच्च स्तर पहुंच गया। हालांकि बाद में चांदी के भाव तेजी से लुढ़क गए और सोने की तेजी भी काफी कम हो गई। घरेलू बाजार में भी गुरुवार को सोना तेजी के साथ खुलने के बाद सार्वजनिक उच्च स्तर पर पहुंच गए।

चांदी की शुरूआत नरमी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 91,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे, जबकि चांदी के भाव 98,550 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। सोने के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 502 रुपये की तेजी के साथ 91,230 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 90,728 रुपये था। इस समय यह 558 रुपये की तेजी के साथ 91,286 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 95 रुपये की गिरावट के साथ 99,658 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,753 रुपये था। इस समय यह 1,184 रुपये की गिरावट के साथ 98,569 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई।

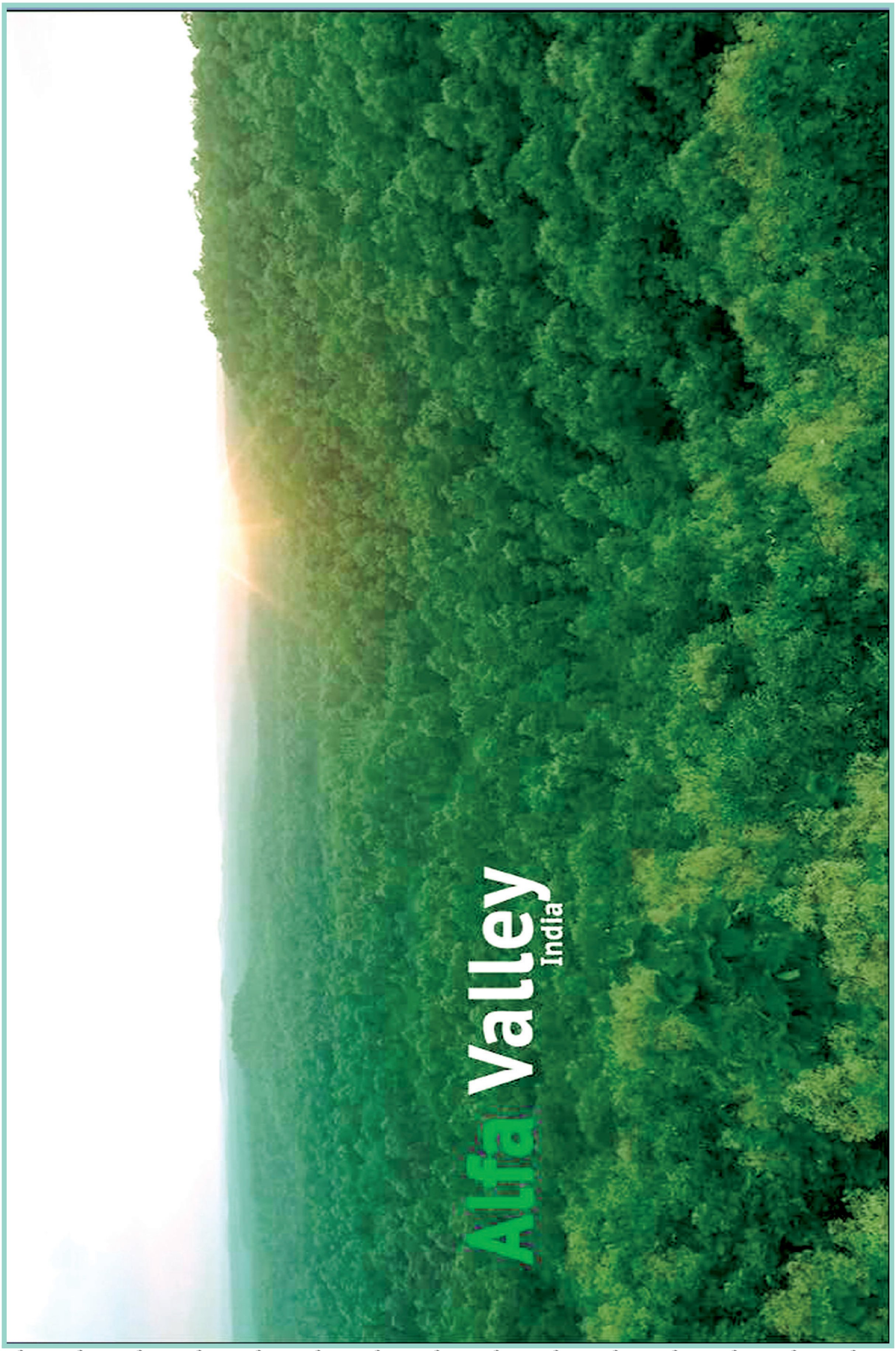
Alfa Valley
India

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

शाम 7:30 बजे से होगा मैच

लखनऊ ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी।

आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं। बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू

क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे। मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

मनोरंजन

मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना: सामंथ रुथ प्रभु

हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी सफलता की परिभाषा पर खुलकर बात की। इस कार्यक्रम के दौरान सामंथा ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता केवल उपलब्धियों तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह सामाजिक बंधनों से मुक्त होने और अपनी शर्तों पर जीवन जीने का नाम है। उन्होंने बताया कि कैसे समाज महिलाओं पर कुछ तय सीमाएं लागू कर देता है और यह बताने की कोशिश करता है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। सामंथा ने इस मानसिकता को चुनौती देने की बात की और कहा कि सफलता वही है जो समाज के बनाए दायरों को तोड़कर अपने सपनों को खुलकर जीने में मिले। अभिनेत्री ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि मेरे लिए सफलता का मतलब रूढ़ियों को तोड़ना और खुद को सीमाओं से बाहर निकालना है। मैं किसी और से यह सुनने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं या नहीं। यह एहसास खुद के भीतर से आता है। सफलता किसी बॉक्स में बंद नहीं हो सकती। हमें यह तय करने का हक होना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। इस दौरान सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने करियर में चुनौतियों का सामना किया और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ अपने सपनों को साकार किया।

पृथ्वीराज को जबरदस्ती विवाद में फंसा रहे हैं: मल्लिका

साउथ फिल्मों के निर्देशक पृथ्वीराज की मां, मल्लिका सुकुमारन ने कहा कि कुछ लोग पृथ्वीराज को जबरदस्ती इस विवाद में फंसा रहे हैं और झूठी कहानियां फैला रहे हैं। मलयालम फिल्म 'एल2: एम्पुरान' से जुड़े विवाद पर मल्लिका ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पृथ्वीराज ने कभी किसी फिल्म प्रोजेक्ट में किसी को धोखा नहीं दिया। उन्होंने बताया कि फिल्म से जुड़ी हर जानकारी अभिनेता मोहनलाल और निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर को पहले से थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वीराज को गलत ठहरा रहे हैं और मीडिया इस झूठ को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने एक घटना का जिक्र किया जब पृथ्वीराज गुजरात में शूटिंग कर रहे थे और फोन पर बताया था कि मोहनलाल हर सीन देख रहे हैं और एंटनी से भी सलाह ली जा रही है। इसका मतलब साफ है कि फिल्म के हर पहलू से सब अवगत थे, फिर अब पृथ्वीराज को दोषी क्यों ठहराया जा रहा है? मल्लिका ने विशेष रूप से मेजर रवि के बयान पर नाराजगी जताई, जिन्होंने पृथ्वीराज पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि जब मोहनलाल और एंटनी ने कभी यह नहीं कहा कि पृथ्वीराज ने उन्हें धोखा दिया, तो फिर मेजर रवि को यह बयान देने की क्या जरूरत थी? उन्होंने आरोप लगाया कि राजनेता, कुछ संगठन, फैन क्लब और यहां तक कि फिल्म इंडस्ट्री के कुछ लोग भी इस साजिश में शामिल हो सकते हैं। मल्लिका ने मीडिया को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि एक पत्रकार ने झूठ फैलाया कि पृथ्वीराज सेंसर बोर्ड में जाकर फिल्म में बदलाव न करने की भीख मांग रहे थे, जबकि सच यह है कि सेंसरिंग के समय निर्देशक या निर्माता का वहां रहना सामान्य प्रक्रिया है।

कावेरी कपूर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए तैयार

बालीवुड अभिनेत्री कावेरी कपूर अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट 'मासूमः द नेक्स्ट जेनरेशन' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता, मशहूर फिल्मकार शेखर कपूर कर रहे हैं, जो इसे 1983 की अपनी क्लासिक फिल्म 'मासूम' का सीक्वल बना रहे हैं। इस खबर से दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। शेखर कपूर की 'मासूम' भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित पारिवारिक फिल्मों में से एक रही है, जिसमें नसीरुद्दीन शाह, शबाना आज़मी और सुप्रसिद्ध बाल कलाकार जुगल हंसराज नजर आए थे। फिल्म की भावनात्मक गहराई और पारिवारिक रिश्तों की जटिलता ने इसे एक एवरग्रीन क्लासिक बना दिया था। अब, 'मासूम 2' उसी संवेदनशीलता और गहराई को एक नए अंदाज में पेश करने का वादा कर रही है। कावेरी कपूर पहले ही फिल्म इंडस्ट्री में एक बहुआयामी कलाकार के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वह एक गीतकार, गायिका और अभिनेत्री भी हैं। उनके चार म्यूजिक वीडियो और पांच गाने रिलीज हो चुके हैं, जिनके जरिए उन्होंने अपनी संगीत प्रतिभा को साबित किया है। अब, 'मासूम 2' के साथ वह अपने अभिनय करियर को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसमें कावेरी को न केवल अपने पिता शेखर कपूर के निर्देशन में काम करने का मौका मिलेगा, बल्कि वह नसीरुद्दीन शाह और शबाना आज़मी जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ भी स्क्रीन साझा करेंगी। यह उनके लिए सीखने और खुद को एक मजबूत अदाकारा के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर होगा। शेखर कपूर ने इस फिल्म को लेकर कहा, मासूम सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि भावनाओं का एक सफर था। अब 'मासूमः द नेक्स्ट जेनरेशन' के जरिए मैं उसी दुनिया को नई पीढ़ी के नजरिए से दिखाने जा रहा हूं।

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

अलग-अलग क्षेत्रों में छाये हैं ये पूर्व क्रिकेटर

मुम्बई। साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ी आजकल अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय है। कोई कोच का काम रहा है तो कोई कमेंटेटर वहीं कुछ राजनेता भी बने हैं। तब भारतीय टीम में वीरेंद्र सहवाग, सचिन तेंदुलकर, गौतम गंभीर, युवराज सिंह, सुरेश रैना और हरभजन सिंह सहित कई अन्य दिग्गज भी शामिल थे। गौतम गंभीर और हरभजन सिंह संन्यास से लेने के बाद राजनीति में उतरे हैं। गंभीर ने साल 2019 के आम चुनाव में भाजपा के टिकट पर दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ा था और संसद बने थे। मगर इसके बाद एक बार फिर वह राजनीति से संन्यास लेकर वह भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हरभजन सिंह आम आदमी पार्टी की टिकट से राज्यसभा सांसद हैं। इसके साथ ही वह क्रिकेट कमेंट्री भी करते हैं।

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी ने बताया मुम्बई छोड़कर गोवा जाने का कारण

मुम्बई ■ ■ एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब घरेलू सत्र में मुम्बई की जगह गोवा से खेलते हुए नजर आयेंगे। यशस्वी के अचानक ही गोवा का रुख करने से सभी हैरान है पर अब इसका कारण सामने आया है। यशस्वी ने कहा कि ये फैसला काफी कठिन था पर कप्तानी का प्रस्ताव मिलने के कारण उन्होंने ये फैसला किया है पर इसके बाद भी वह हमेशा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के आभारी रहेंगे।

वहीं इससे पहले यशस्वी ने आगामी घरेलू सत्र में गोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए एमसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था। यशस्वी ने कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही मुम्बई की ओर से खेला था इसलिए ये फैसला करना उनके लिए कठिन था। साथ ही कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मुंबई की वजह से हूं। इस शहर ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है। इसलिए में हमेशा ही एमसीए का आभारती रहूंगा हालांकि गोवा ने मुझे एक नया अवसर दिया है और जिसमें मुझे कप्तानी का अवसर मिला है। मेरा पहला लक्ष्य भारतीय टीम की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा और जब भी मैं राष्ट्रीय टीम में नहीं रहूंगा, मैं गोवा के लिए खेलूंगा और उन्हें टूर्नामेंट में आगे ले जाने की कोशिश करूंगा। यह एक अहम मौका था, जो मेरे पास आया और मैंने इसे स्वीकार कर लिया.' इस क्रिकेट ने अंतिम बार मुंबई के लिए जम्मू और कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में खेला था, जहां उन्होंने रोहित के साथ पारी शुरु की थी।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा, मनीष-हितेश और अविनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के मनीष राठौड़, हितेश और अविनाश जामवाल ने अपने-अपने वजन वर्ग में आसान जीत के साथ विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में सेमीफाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 65 किग्रा वर्ग में जर्मनी के डेनिस ब्रिल को सर्वसम्मत फैसले से हराया जबकि हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रोनतानी को 70 किग्रा वर्ग में सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त दी।

मनीष ने 55 किग्रा वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को हराया। दोनों मुक्केबाजों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में भारतीय मुक्केबाज विजयी रहा। तीन जज ने मनीष के पक्ष में फैसला दिया जबकि दो ने दोनों मुक्केबाजों को बराबर अंक दिए सेमीफाइनल में मनीष की भिड़ंत कजाखस्तान के नूरसुल्तान अल्तिनबेक से होगी जबकि हितेश को माकन तराओरे के खिलाफ खेलना है। जामवाल का सामना इटली के जियानलुइगी मलांगा से होगा।

मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने एटलेटिको मैड्रिड को कोपा डेल रे टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के दूसरे लेग में 1-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में अब उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल के पहले लेग का खेल 4-4 से बराबर रहा था। इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जब बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है।

स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैड टीम को लगा झटका

लंदन। इंग्लैड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये है। इससे इंग्लैड की टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जाएंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से भी नहीं खेलेंगे। वह भी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे।

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज पेपर न्यूज चैनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

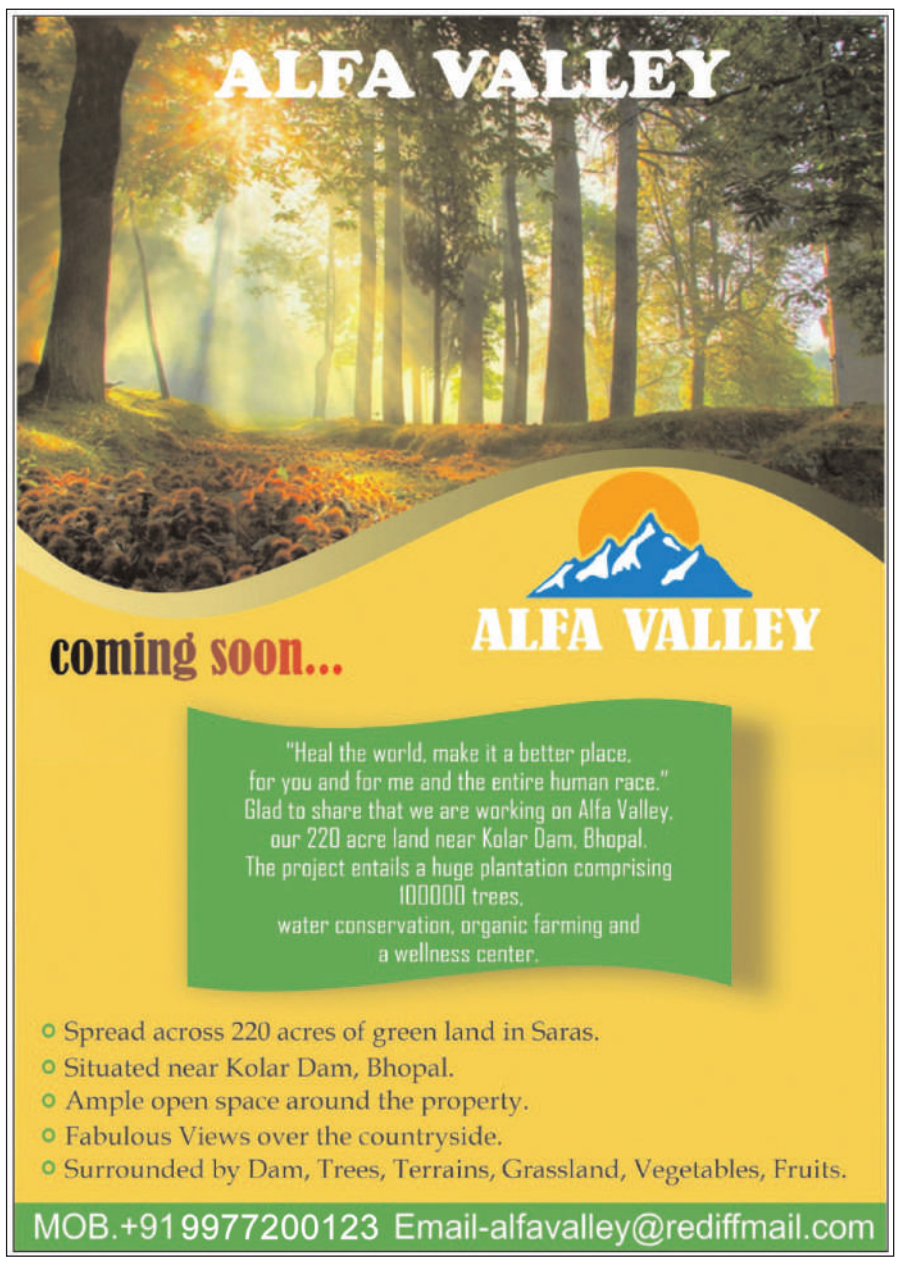

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल**, सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com